छत्तीसगढ़ विधान सभा

की

अशोधित कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

पंचम विधान सभा **त्रयोदश सत्र**

सोमवार, दिनांक 07 मार्च, 2022

(फाल्गुन 16, शक सम्वत् 1943)

[अंक 01]

Web Copy

विधान सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष	डॉ. चरणदास महंत
उपाध्यक्ष	श्री मनोज सिंह मण्डावी
प्रमुख सचिव	श्री चन्द्र शेखर गंगराड़े

सभापति तालिका

1. श्री सत्यनारायण शर्मा,
2. श्री धनेन्द्र साहू,
3. श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह,
4. श्री शिवरतन शर्मा,
5. श्री बघेल लखेश्वर

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

माननीय राज्यपाल

सुश्री अनुसुईया उइके

मंत्रिमण्डल के सदस्यों की सूची

01.	श्री भूपेश बघेल, मुख्यमंत्री	सामान्य प्रशासन, वित्त, ऊर्जा, खनिज साधन, जन सम्पर्क, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य विभाग जो किसी मंत्री को आवंटित ना हो.
02.	श्री टी.एस. सिंहदेव, मंत्री	पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, 20 सूत्रीय कार्यान्वयन, वाणिज्यिक कर (जी.एस.टी.)
03.	श्री ताम्रध्वज साहू, मंत्री	लोक निर्माण, गृह, जेल, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन
04.	श्री रविन्द्र चौबे, मंत्री	संसदीय कार्य, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, पशुधन विकास, मछली पालन, जल संसाधन एवं आयाकट
05.	डॉ.प्रेमसाय सिंह टेकाम, मंत्री	स्कूल शिक्षा, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, सहकारिता
06.	श्री मोहम्मद अकबर, मंत्री	परिवहन, आवास एवं पर्यावरण, वन, विधि एवं विधायी कार्य
07.	श्री कवासी लखमा, मंत्री	वाणिज्यिक कर (आबकारी), वाणिज्य एवं उद्योग
08.	डॉ.शिवकुमार डहरिया, मंत्री	नगरीय प्रशासन एवं विकास, श्रम
09.	श्री अमरजीत भगत, मंत्री	खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी, संस्कृति
10.	श्रीमती अनिला भेंडिया, मंत्री	महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण
11.	श्री जयसिंह अग्रवाल, मंत्री	राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास,वाणिज्यिक कर (पंजीयन एवं मुद्रांक)
12.	श्री गुरू रूद्र कुमार, मंत्री	लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामोद्योग
13.	श्री उमेश पटेल, मंत्री	उच्च शिक्षा, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, खेल एवं युवा कल्याण

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

संसदीय सचिवों की सूची

01.	श्री चिंतामणी महाराज	लोक निर्माण मंत्री से संबद्ध
02.	श्री पारसनाथ राजवाड़े	उच्च शिक्षा मंत्री से संबद्ध
03.	श्रीमती अंबिका सिंहदेव	लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री से संबद्ध
04.	श्री चन्द्रदेव प्रसाद राय	वन मंत्री से संबद्ध
05.	श्री द्वारिकाधीश यादव	आदिम जाति विकास मंत्री से संबद्ध
06.	श्री गुरुदयाल सिंह बंजारे	पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री से संबद्ध
07.	श्री इन्द्रशाह मण्डावी	राजस्व मंत्री से संबद्ध
08.	श्री कुंवर सिंह निषाद	खाद्य मंत्री से संबद्ध
09.	डॉ. (श्रीमती) रश्मि आशिष सिंह	महिला एवं बाल विकास मंत्री से संबद्ध
10.	श्री रेखचंद जैन	नगरीय प्रशासन मंत्री से संबद्ध
11.	सुश्री शकुन्तला साहू	कृषि मंत्री से संबद्ध
12.	श्री शिशुपाल सोरी	वन मंत्री से संबद्ध
13.	श्री यू.डी. मिंज	वाणिज्यिक कर (आबकारी) मंत्री से संबद्ध
14.	श्री विकास उपाध्याय	लोक निर्माण मंत्री से संबद्ध
15.	श्री विनोद सेवनलाल चन्द्राकर	पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री से संबद्ध

.

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

सदस्यों की वर्णात्मक सूची
(निर्वाचन क्षेत्र का नाम तथा क्रमांक सहित)

अ

01.	अजय चन्द्राकर	57-कुरूद
02.	अमरजीत भगत	11-सीतापुर (अ.ज.जा.)
03.	अरूण वोरा	64-दुर्ग शहर
04.	अनिता योगेंद्र शर्मा, श्रीमती	47-धरसींवा
05.	अनिला भेंडिया, श्रीमती	60-डौंडी लोहारा (अ.ज.जा.)
06.	अंबिका सिंहदेव, श्रीमती	03-बैकुंठपुर
07.	अमितेश शुक्ल	54-राजिम
08.	अनूप नाग	79-अंतागढ़ (अ.ज.जा.)
09.	आशीष कुमार छाबड़ा	69-बेमेतरा

इ

01.	इंद्रशाह मण्डावी	78-मोहला-मानपुर (अ.ज.जा.)
02.	इंदू बंजारे, श्रीमती	38-पामगढ़ (अ.जा.)

उ

01.	उत्तरी गनपत जांगड़े, श्रीमती	17-सारंगढ़ (अ.जा.)
02.	उमेश पटेल	18-खरसिया

क

01.	कवासी लखमा	90-कोन्टा (अ.ज.जा.)
02.	कृष्णमूर्ति बांधी, डॉ.	32-मस्तूरी (अ.जा.)
03.	किस्मत लाल नंद	39-सरायपाली (अ.जा.)
04.	कुलदीप जुनेजा	50-रायपुर नगर उत्तर
05.	कुंवर सिंह निषाद	61-गुण्डरदेही
06.	के.के.ध्रुव, डॉ.	24-मरवाही (अ.ज.जा.)
07.	केशव प्रसाद चन्द्रा	37-जैजेपुर

ख

01	खेलसाय सिंह	04-प्रेमनगर

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

ग

01.	गुरू रूद्र कुमार	67-अहिवारा (अ.जा.)
02.	गुरूदयाल सिंह बंजारे	70-नवागढ़ (अ.जा.)
03.	गुलाब कमरो	01-भरतपुर-सोनहत (अ.ज.जा.)

च

01.	चक्रधर सिंह सिदार	15-लैलूंगा (अ.ज.जा.)
02.	चरणदास महंत, डॉ.	35-सक्ती
03.	चंदन कश्यप	84-नारायणपुर (अ.ज.जा.)
04.	चंद्रदेव प्रसाद राय	43-बिलाईगढ़ (अ.जा.)
05.	चिन्तामणी महाराज	08-सामरी (अ.ज.जा.)

छ

01.	छन्नी चंदू साहू, श्रीमती	77-खुज्जी

ज

01.	जयसिंह अग्रवाल	21-कोरबा

ट

01.	टी.एस.सिंहदेव	10-अम्बिकापुर

ड

01.	डमरूधर पुजारी	55-बिन्द्रानवागढ़ (अ.ज.जा.)

त

01.	ताम्रध्वज साहू	63-दुर्ग ग्रामीण

द

01.	दलेश्वर साहू	76-डोंगरगांव
02.	द्वारिकाधीश यादव	41-खल्लारी
03.	देवती कर्मा	88-दंतेवाड़ा (अ.ज.जा.)
04.	देवेंद्र यादव	65-भिलाई नगर
05.	देवेंद्र बहादुर सिंह	40-बसना

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

ध

01. धरमलाल कौशिक — 29-बिल्हा
02. धनेन्द्र साहू — 53-अभनपुर
03. धर्मजीत सिंह — 26-लोरमी

न

01. ननकीराम कंवर — 20-रामपुर (अ.ज.जा.)
02. नारायण चंदेल — 34-जांजगीर-चांपा

प

01. प्रकाश शक्राजीत नायक — 16-रायगढ़
02. प्रमोद कुमार शर्मा — 45-बलौदाबाजार
03. पारसनाथ राजवाड़े — 05- भटगांव
04. प्रीतम राम, डा. — 09-लुण्ड्रा (अ.ज.जा.)
05. पुन्नूलाल मोहले — 27-मुंगेली (अ.जा.)
06. पुरूषोत्तम कंवर — 22-कटघोरा
07. प्रेमसाय सिंह टेकाम, डॉ. — 06-प्रतापपुर (अ.ज.जा.)

ब

01. बृजमोहन अग्रवाल — 51-रायपुर नगर(दक्षिण)
02. बृहस्पत सिंह — 07-रामानुजगंज (अ.ज.जा.)

भ

01. भुनेश्वर शोभाराम बघेल — 74-डोंगरगढ़ (अ.जा.)
02. भूपेश बघेल — 62-पाटन

म

01. ममता चंद्राकर, श्रीमती — 71-पण्डरिया
02. मनोज सिंह मण्डावी — 80-भानुप्रतापपुर (अ.ज.जा.)
03. मोहन मरकाम — 83-कोण्डागांव (अ.ज.जा.)
04. मोहित राम — 23-पाली-तानाखार(अ.ज.जा.)
05. मोहम्मद अकबर — 72-कवर्धा

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

य

01.	यू.डी.मिंज	13-कुनकुरी (अ.ज.जा.)

र

01.	रजनीश कुमार सिंह	31-बेलतरा
02.	रंजना डीपेंद्र साहू, श्रीमती	58-धमतरी
03.	राजमन वेंजाम	87-चित्रकोट (अ.ज.जा.)
04.	रमन सिंह, डॉ.	75-राजनांदगांव
05.	रामकुमार यादव	36-चंद्रपुर
06.	रामपुकार सिंह ठाकुर	14-पत्थलगांव (अ.ज.जा.)
07.	रविन्द्र चौबे	68-साजा
08.	रश्मि आशिष सिंह, डॉ. (श्रीमती)	28-तखतपुर
09.	रेखचंद जैन	86-जगदलपुर
10.	रेणु अजीत जोगी, डॉ. (श्रीमती)	25-कोटा

ल

01.	लक्ष्मी ध्रुव, डॉ.	56-सिहावा (अ.ज.जा.)
02.	लखेश्वर बघेल	85-बस्तर (अ.ज.जा.)
03.	लालजीत सिंह राठिया	19-धरमजयगढ़ (अ.ज.जा.)

व

01.	विक्रम मण्डावी	89-बीजापुर (अ.ज.जा.)
02.	विनय जायसवाल, डॉ.	02-मनेन्द्रगढ़
03.	विनय कुमार भगत	12-जशपुर (अ.ज.जा.)
04.	विद्यारतन भसीन	66-वैशाली नगर
05.	विकास उपाध्याय	49-रायपुर नगर पश्चिम
06.	विनोद सेवन लाल चंद्राकर	42-महासमुन्द

श

01.	शकुन्तला साहू, सुश्री	44-कसडोल
02.	शिवरतन शर्मा	46-भाटापारा
03.	शिवकुमार डहरिया, डॉ.	52-आरंग (अ.जा.)
04.	शिशुपाल सोरी	81-कांकेर (अ.ज.जा.)

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

05.	शैलेश पाण्डे	30-बिलासपुर

स

01.	सत्यनारायण शर्मा	48-रायपुर ग्रामीण
02.	संतराम नेताम	82-केशकाल (अ.ज.जा.)
03.	संगीता सिन्हा, श्रीमती	59-संजारी बालोद
04.	सौरभ सिंह	33-अकलतरा

73-खैरागढ़	**रिक्त**

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

छत्तीसगढ़ विधान सभा

सोमवार, दिनांक 07 मार्च, 2022

(फाल्गुन-16, शक संवत् 1943)

विधान सभा पूर्वाह्न 11.00 बजे समवेत हुई

(अध्यक्ष महोदय (डॉ. चरणदास महंत) पीठासीन हुए)

राष्ट्रगीत/राज्यगीत

अध्यक्ष महोदय :- अब राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" के साथ राज्यगीत "अरपा पइरी के धार" होगा । माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे राष्ट्रगीत एवं राज्यगीत के लिये कृपया अपने स्थान पर खड़े हों ।

(राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" तथा राज्यगीत "अरपा पइरी के धार" का गायन किया गया।)

समय :

11.03 बजे अध्यक्ष महोदय :- अब सदन माननीय राज्यपाल महोदया के आगमन की प्रतीक्षाकरेगा।

(माननीय राज्यपाल महोदया के आगमन की प्रतीक्षा की गई)

समय :

11.06 बजे **(माननीय राज्यपाल महोदया का चल समारोह के साथ सभा भवन में आगमन हुआ)**

(राष्ट्रगान "जन गण मन" की धुन बजाई गई)

समय :

11.10 बजे **राज्यपाल का अभिभाषण**

माननीया राज्यपाल महोदया (सुश्री अनुसुइया उइके) :- माननीय सदस्यगण, छत्तीसगढ़ विधानसभा के वर्ष 2022 के पहले सत्र के अवसर पर आप सबको बधाई और शुभकामनाएं। (मेजों की थपथपाहट) मैं आप सबका हार्दिक अभिनंदन करती हूं । मुझे खुशी है कि माननीय सदस्य के रूप में आप लोगों ने इस सदन की गौरवशाली परंपराओं का निर्वाह किया है । लोकतंत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है । जनहित तथा प्रदेशहित के प्रति आपका समर्पण अनुकरणीय रहा है । यही वजह है कि हमारा छत्तीसगढ़ राज्य जनहितकारी विकास के लिए देश और दुनिया में अलग पहचान बनाने में सफल हुआ है । (मेजों की

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

थपथपाहट) मैं कामना करती हूं कि आप लोग इसी तरह छत्तीसगढ़ की यश-पताका को उंचा उठाये रखेंगे ।

2. मुझे यह कहते हुए बहुत खुशी हो रही है कि स्थानीय संसाधनों और जनता के आत्मगौरव के प्रति मेरी सरकार के बेहद संवेदनशील व्यवहार को भरपूर सराहना मिल रही है । समावेशी विकास का छत्तीसगढ़ मॉडल बहुत सफल रहा है । (मेजों की थपथपाहट)

श्री शिवरतन शर्मा (भाटापारा) :- महामहिम, कौन सा मॉडल सफल रहा है यह बता दीजिए । छत्तीसगढ़ का कौन सा मॉडल सफल रहा है यह बता दीजिए ? (व्यवधान)

माननीय राज्यपाल महोदया :- मैं चाहती हूं कि आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के साथ ही प्रदेश के समग्र विकास में आई तेजी का सिलसिला लगातार जारी रहे और इसमें आप सबका भरपूर सहयोग मिले ।

3. मेरी सरकार वास्तव में किसानों, वन आश्रितों और मजदूरों की सरकार है, जिनके आत्म-सम्मान के लिए आय और भागीदारी बढ़ाने की रणनीति अपनाई गई है । खेती के प्रति लोगों का रूझान लौटना अपने आप में बड़ी सफलता मानी जा रही है । खरीफ वर्ष 2021-22 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में अब तक का सबसे बड़ा कीर्तिमान बना है, जिसके अनुसार इस वर्ष लगभग 21 लाख 77 हजार किसानों ने 97 लाख 98 हजार मीट्रिक टन धान बेचा है । (मेजों की थपथपाहट)

4. किसानों की सुविधाएं और आय बढ़ाने के लिए मेरी सरकार ने इस वर्ष 173 नवीन धान खरीदी केंद्र खोले । समर्थन मूल्य का भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में किया गया । धान के साथ ही अन्य खरीफ फसलों को भी "राजीव गांधी किसान न्याय योजना" का लाभ लगातार दिया जा रहा है । (मेजों की थपथपाहट) इसमें उद्यानिकी तथा लघु धान्य फसलों को भी शामिल किया गया है ।

श्री सौरभ सिंह (अकलतरा) :- माननीय राज्यपाल महोदया, पिछले साल की किस्त नहीं मिली है और 2 साल का बोनस नहीं मिला है ।

माननीय राज्यपाल महोदया :- किसानों को ब्याजमुक्त अल्पकालीन कृषि ऋण उपलब्ध कराने के लिए इस वर्ष 5 हजार 900 करोड़ रूपए का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से अभी तक 85 प्रतिशत राशि दी जा चुकी है । लगभग 6 दशक बाद प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का पुनर्गठन किया गया है, जिससे 725 नवीन समितियां भी कृषि ऋण वितरण व अन्य योजनाओं के संचालन में सहयोग दे रही हैं । भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना में प्रथम एथेनॉल प्लांट की स्थापना हेतु एमओयू के तहत् कार्य प्रगति पर है, वहीं अतिशेष धान से भी एथेनॉल उत्पादन के लिए काफी गंभीरता से प्रयास किए जा रहे हैं ताकि धान के बम्पर उत्पादन का बेहतर उपयोग किया जा सके । मेरी सरकार के इन उपायों से किसान परिवारों का मनोबल और उत्साह बढ़ा है ।

5. मेरी सरकार ने प्रदेश के 14 आदिवासी बहुल जिलों के 25 विकासखण्डों में 1 हजार 735 करोड़

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

रूपए की लागत से "चिराग परियोजना" की शुरूआत कर दी है, जिससे आदिवासी अंचलों में आजीविका के नए साधन बनेंगे ।

6. मेरी सरकार ने सुराजी गांव योजना के माध्यम से नरवा, गरूवा, घुरूवा, बारी को बचाने का जो संकल्प लिया था, वह सफलता के नए-नए शिखरों को छू रहा है । नाला उपचार के हजारों कार्यों से भू-जल स्तर बढ़ा है । गोधन न्याय योजना का लगातार विस्तार किया जा रहा है, जिससे गोबर विक्रेताओं को लगभग 127 करोड़ रूपए की राशि सीधे प्रदान की गई है । वहीं वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट तथा सुपर कम्पोस्ट प्लस उत्पादन, विक्रय तथा इसके उपयोग पर बहुत ध्यान दिया जा रहा है ताकि रासायनिक खाद की कमी से निपटने में जैविक खाद का विकल्प तैयार किया जा सके । इसके अलावा गोबर से बिजली, प्राकृतिक पेंट तथा अन्य सामग्रियों के उत्पादन और विक्रय को भी बढ़ावा दिया जा रहा है । "ग्रामीण औद्योगिक पार्क" विकसित किए जा रहे हैं । "गोधन न्याय मिशन" से इस अभियान को नई ऊंचाई मिलेगी । घुरूवा से 6 लाख मीट्रिक टन जैविक खाद का निर्माण किया गया है। 3 लाख बाड़ियों का विकास किया जा चुका है, जिससे गांवों में सब्जी तथा फलों की उपलब्धता बढ़ी है।

7. मेरी सरकार ने 'राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना' की शुरूआत इसी वित्तीय वर्ष से करने का वादा भी निभाया है। इस योजना के तहत पंजीकृत व्यक्ति को प्रतिवर्ष 6 हजार रूपये देने का प्रावधान है, (मेजों की थपथपाहट) जिसकी पहली किस्त के रूप में प्रथम भुगतान हितग्राहियों को किया जा चुका है।

8. आदिवासी अंचलों में चाय, कॉफी, काजू, तीखुर, अलग-अलग विशेषताओं वाले चावल, उच्च गुणवत्ता के फल, विदेशों में बेचे जाने योग्य पोषक उत्पादों के काम में स्थानीय लोगों की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। इससे स्थानीय लोगों और उनके उत्पादों के साथ प्रदेश को भी एक नयी पहचान मिली है। मैं चाहूंगी कि मेरी सरकार के जनसशक्तीकरण के इन प्रयासों को आप सबका समर्थन और सहयोग लगातार मिले।

9. मेरी सरकार ने वन आश्रित परिवारों को वन संसाधनों के माध्यम से नई शक्ति दी है। तेंदूपत्ता संग्रहण दर 2500 से बढ़ाकर 4 हजार रूपये प्रति मानक बोरा करने के अलावा समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाने वाली लघु वनोपजों की संख्या 7 से बढ़ाकर 61 कर दी गयी है। 'छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड' के नाम से 121 उत्पादों के प्रसंस्करण तथा 200 उत्पादों के विपरण की व्यवस्था की गई है। लाख पालन को कृषि का दर्जा दिया गया है। कोदो, कुटकी और रागी के लिए भी समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्था की गई है। 'छत्तीसगढ़ मिलेट मिशन' के गठन से लघु धान्य फसलों की अपार संभावनाएं आकार लेंगी।

10. मेरी सरकार ने संयुक्त वन प्रबंधन समितियों के माध्यम से 27 लाख परिवारों को वनोपज के कारोबार में भागीदार बनाया है। 'शहीद महेन्द्र कर्मा तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना', 'मुख्यमंत्री बांस बाड़ी योजना', 'नदी तट वृक्षारोपण योजना', 'मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना',

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

कैम्पा मद से वन विकास, वन सुरक्षा, वन्य प्राणियों का संरक्षण, भू -जल संरक्षण जैसे प्रयासों का सकारात्मक असर वन अंचलों में दिखाई पड़ने लगा है।

11. मेरी सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में कुशल प्रबंधन से प्राप्त उपलब्धियों को किसानों तथा आर्थिक रूप से कमजोर तबकों तक पहुंचाकर उन्हें शक्ति सम्पन्न बनाने की रणनीति अपनाई, साथ ही विद्युत अधोसंरचना के विकास पर जोर दिया। सभी लंबित 35 हजार 161 कृषि पम्प कनेक्शन के आवेदनों को एक साथ स्वीकृत करते हुए ऊर्जीकृत करने का जो अभियान शुरू किया गया था, वह इसी वित्तीय वर्ष से पूर्ण किया जा रहा है। (मेजों की थपथपाहट) अभी तक 90 प्रतिशत से अधिक का लक्ष्य पूर्ण किया जाना एक बड़ी उपलब्धि है।

12. मेरी सरकार ने शहरों, गांवों सहित सभी क्षेत्रों में सड़क अधोसंरचना के विकास के लिए एक बड़ी कार्ययोजना बनाई है, जिसके तहत 24 हजार करोड़ रूपये की लागत से सड़क पुल-पुलिया निर्माण के कार्य कराए जा रहे हैं। प्रत्येक निविदा अनुबंध में बेरोजगार इंजीनियरों की उपस्थिति और ई-श्रेणी पंजीयन की व्यवस्था से लगभग 8 हजार स्थानीय युवाओं की निर्माण कार्यों में भागीदारी तय की गई है। ई-श्रेणी में विकासखण्ड स्तर पर 225 करोड़ रूपये के कार्य पंजीकृत युवाओं को आबंटित किये गये हैं।

13. 'बिजली बिल हाफ योजना' के तहत 40 लाख 56 हजार घरेलू उपभोक्ताओं को 2 हजार 100 करोड़ रूपये से अधिक की छूट मिल चुकी है। 5 लाख 81 हजार किसानों को सिंचाई पम्प कनेक्शन में छूट का लाभ मिल रहा है। वहीं 17 लाख से अधिक परिवारों को 30 यूनिट तक प्रतिमाह नि:शुल्क विद्युत आपूर्ति की जा रही है। आर्थिक मंदी और कोरोना काल में प्रदेश के इस्पात उद्योगों को ऊर्जा प्रभार में राहत का लाभ भी दिया गया।

14. 'मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना', 'मुख्यमंत्री मजरा-टोला विद्युतीकरण योजना', 'मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना', स्कूलों का विद्युतीकरण और सौर ऊर्जा से सिंचाई पम्पों का ऊर्जीकरण जैसे कार्यों की सफलता बहुत महत्वपूर्ण है । कुशल प्रबंधन और उत्तम रख-रखाव से प्रदेश के बिजलीघरों में उत्पादन के कीर्तिमान् बनाए, वहीं पारेषण प्रणाली की उपलब्धता भी 99 प्रतिशत से अधिक रही, जो अपने आप में एक कीर्तिमान् है ।

15. मेरी सरकार ने गांव के विकास में ग्रामीण अधोसंरचना को प्राथमिकता दी, साथ ही सारी गतिविधियों का केन्द्र बेहतर आजीविका तथा रोज़गार के अवसरों को बनाया । 'महात्मा गांधी नरेगा योजना' से गांव में भरपूर रोज़गार दिया गया जो कोरोना जैसे संकटकाल में प्राणतत्व साबित हुआ । वर्ष 2020-21 में योजना प्रारंभ होने से अब तक 18 करोड़, 41 लाख मानव दिवस सृजित किये गये, जो संशोधित लक्ष्य की 100 प्रतिशत पूर्ति करते हैं । इस अवधि में 7 लाख, 88 हज़ार परिवारों को 100 मानव दिवस रोज़गार दिया गया, जिसमें वन अधिकार पट्टाधारी लगभग 46 हज़ार परिवार शामिल हैं ।

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

16. मेरी सरकार ने कृषि तथा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और इस दिशा में ठोस प्रयास किये हैं । उसके कारण भारत सरकार के निर्धारित मापदंडों से 26 प्रतिशत अधिक राशि इन कार्यों पर खर्च की है । महात्मा गांधी नरेगा तथा अन्य योजनाओं के अनुसरण से 4 लाख से अधिक निर्माण कार्य कराये गये हैं । 7 हज़ार 835 गोठान, 5 हज़ार 444 चारागाह, 740 नवीन ग्राम पंचायत भवन तथा 6 हज़ार आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण कराया जा रहा है ।

17. 'स्वच्छ भारत मिशन', 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना', 'प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना', 'छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन', 'ग्रामीण शहरी कलस्टरों का विकास', 'मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना', 'मुख्यमंत्री ग्राम गौरवपथ योजना', सरपंचों का डिजिटल हस्ताक्षर, एकीकृत सुविधा केन्द्रों का विकास जैसे अनेक मोर्चों पर एक साथ काम करते हुए मेरी सरकार ने त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के साथ ग्रामीण विकास में कई कीर्तिमान् स्थापित किये हैं । मुझे यह कहते हुए अत्यंत गौरव की अनुभूति होती है कि 3 वर्षों में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर जो 36 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं (मेजो की थपथपाहट) उनमें से अधिकांश पुरस्कार अनुसूचित क्षेत्रों की पंचायत राज संस्थाओं को मिले हैं ।

18. ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में जनता के धन की सुरक्षा और सुरक्षित लेन-देन की व्यवस्था की गई है जिसमें 21 हजार से अधिक बैंक मित्र, 26 हज़ार से अधिक बीसी सखियां, 551 नई बैंक शाखाएं तथा 600 एटीएम का सहयोग मिलने लगा है ।

19. मेरी सरकार ने ऐसी अधोसंरचनाओं के विकास पर बल दिया है, जिससे अधूरे पड़े कार्य शीघ्रता से पूरे हों और उनका लाभ तुरंत जनता को मिले । इस रणनीति से 42 हज़ार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता निर्मित की गई है, वहीं बेहतर प्रबंधन से 3 लाख हेक्टेयर से अधिक वास्तविक सिंचाई में वृद्धि की गई है । केलो, खारंग, मनियारी, अरपा-भैंसाझार परियोजनाओं के शेष काम वर्ष 2022 में ही पूर्ण करने का लक्ष्य है । इतना ही नहीं, किसानों पर वर्षों से लंबित सिंचाई जल कर की राशि 342 करोड़ रूपए अब तक माफ की गई है । जिसका सीधा लाभ किसानों को मिला है ।

20. प्रदेश में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अब घर-घर में नल कनेक्शन देने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है । 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत 48 लाख, 59 हजार, 443 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल देने का कार्य वर्ष 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है । इस दिशा में की जा रही प्रगति उत्साहवर्धक है ।

21. मेरी सरकार ने न्याय दिलाने के शुरूआती कदम के रूप में निरस्त वन अधिकार दावों की समीक्षा का निर्णय लिया था, जिसके कारण अब तक 4 लाख 85 हजार 833 व्यक्गित वन अधिकार पत्र तथा 45 हजार 305 सामुदायिक वन अधिकार पत्र और 23 लाख हेक्टेयर भूमि पर मान्यता दी गई है। इससे बड़े पैमाने पर आय बढ़ाने के अवसर सृजित किए गए हैं। वन अधिकार पत्रों के तहत आबंटित

भूमि पर उपजाए धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी, 'राजीव गांधी किसान न्याय योजना' जैसी सुविधाएँ भी दी गई हैं।

22. मेरी सरकार ने अनुसूचित क्षेत्रों में शिक्षा की व्यापकता और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। 16 जिलों में 150 आदर्श छात्रावासों तथा आश्रम शालाओं का विकास किया जा रहा है। अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षण देने के लिए जिला दुर्ग में 200 सीटर आवासीय कोचिंग संस्थान स्थापित करने की पहल की गई है। 'स्वर्गीय राजीव गांधी बाल भविष्य सुरक्षा प्रयास आवासीय विद्यालयों' में सफलता के नये कीर्तिमान रचे गये हैं। साथ ही 'सहयोग योजना' के तहत 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इन उपायों से नक्सल प्रभावित परिवारों के साथ ही अनुसूचित क्षेत्रों के नौनिहालों में नई आशा का संचार हुआ है।

23. अनुसूचित क्षेत्र के जिलों में सरकारी विभागों में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के जिला संवर्ग के रिक्त पदों पर स्थानीय युवाओं की भर्ती सुनिश्चित की जा रही है। सरगुजा, बस्तर संभाग के जिलों के अलावा गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही तथा कोरबा जैसे 14 जिलों में यह व्यवस्था की गई है। विशेष कनिष्ठ कर्मचारी चयन बोर्ड का गठन करते हुए भर्ती की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

24. मेरी सरकार ने जिला खनिज संस्थान न्यास निधि का उपयोग व्यापक जनहित में करने के लिए अनेक सुधार किए हैं, जिसके तहत निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के अतिरिक्त महिलाओं एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के सदस्यों का नामांकन सुनिश्चित किया गया है। सही नीति और सही अमल के कारण इस निधि की औसत प्राप्ति 1 हजार 200 करोड़ रूपए वार्षिक से बढ़कर 2 हजार करोड़ रूपए हो गई है। इसी तरह गौण खनिजों से प्राप्त राशि का शत-प्रतिशत वितरण ग्रामीण विकास, पंचायतों और स्थानीय निकायों में करने के निर्णय से विगत वर्ष लगभग 261 करोड़ रूपये इन क्षेत्रों को दिए गए हैं।

25. मेरी सरकार ने लोककलाओं, परंपराओं, स्थानीय कौशल, संस्कृति और पर्यटन को समग्रता से देखते हुए ऐसा वातावरण बनाया है, जिसमें संरक्षण के साथ रोजगार के अवसरों को भी समेकित किया जा सके। अनुसूचित वर्गों में आत्मगौरव के संचार के लिए नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह जी एवं बाबा गुरू घासीदास जी के नाम पर स्मारक एवं संग्रहालय स्थापित करने की पहल की गई है।

26. इस क्रम में परम्परागत बुनकरों द्वारा निर्मित गमछे को राजकीय गमछे का दर्जा दिया गया है। प्रदेश में पहली बार वार्षिक सांस्कृतिक कैलेण्डर का निर्माण किया गया है। फिल्म नीति 2021 लागू कर दी गई है। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन दूसरी बार भी सफलतापूर्वक किया गया है। चौमासा कार्यक्रम के अंतर्गत 1 हजार 58 सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 'छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद' का गठन कर दिया गया है। 'लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना', 'छात्रवृत्ति योजना', 'मानस मण्डली प्रोत्साहन योजना' लागू की गई है।

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

27. मेरी सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हर पहलू पर ध्यान दिया है। ग्रामोद्योग के परंपरागत आधार को नया आयाम दिया गया है। हाथकरघा वस्त्रों को उचित दाम दिलाने हेतु गोदना-शिल्प, टाई-डाई इम्ब्राडरी वर्क, मधुबनी आर्ट, स्टेनसिल कसीदाकारी जैसे प्रिंट को बढ़ावा दिया जा रहा है। बैगा, उरांव, डोंगरिया, गोंड एवं लोधी समुदाय में प्रचलित परंपरागत डिजाइन के वस्त्रों को नया जीवन देकर उत्पादन कराया जा रहा है। प्राचीन स्मारकों पर आधारित डिजाइन श्रृंखला जैसे बाबा गुरू घासीदास, जैतखाम, कौशल्या, रामायण, सिरपुर एवं दूधाधारी डिजाइन को कपड़ों में बुनाई कला के माध्यम से उकेरा गया है। केला, अलसी, सीसल, घींचा जैसे प्राकृतिक रेशों से भी वस्त्र निर्माण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। ट्राइफेड द्वारा आदिवासी बुनकरों के द्वारा निर्मित वस्त्रों की बिक्री का इंतजाम किया गया है। इसी प्रकार धातु, माटी, बांस आदि सामग्रियों से हस्तशिल्प की परंपरा को भी नई सुविधाओं के साथ नया बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। छत्तीसगढ़ी खान-पान को बढ़ावा देने के लिए 16 जिलों में गढ़कलेवा के नये केंद्र स्थापित किये गये हैं।

28. मेरी सरकार ने स्वास्थ और सचेतन छत्तीसगढ़ निर्माण की अवधारणा को सिर्फ अस्पतालों और दवाओं तक सीमित न रखकर संपूर्ण जीवनचक्र से जोड़ा है। स्वस्थ जीवन के लिए सबसे जरूरी है पर्याप्त और पोषणयुक्त भोजन। इसलिए मेरी सरकार ने सार्वभौम पीडीएस लागू किया और लाभान्वित की संख्या को 2 करोड़ 12 लाख से बढ़ाकर 2 करोड़ 55 लाख कर दिया है। (मेजों की थपथपाहट) वर्ष 2021 में 2 लाख 34 हजार राशन कार्ड जारी किये गये तथा 21 लाख 29 हजार सदस्यों के नाम जोड़े गये। पोषण सुरक्षा के लिए बस्तर में पात्र हितग्राहियों को 17 रूपये किलो की दर से 2 किलो गुड़ दिया जा रहा है। फोलिक एसिड तथा विटामिन बी 12 युक्त फोर्टिफाइड चावल वितरण का कार्य अब सभी जिलों में मध्यान्ह भोजन तथा पूरक पोषण आहार योजना के तहत किया जा रहा है। (मेजों की थपथपाहट) कोरोना काल में नि:शुल्क चावल वितरण का जो कार्य शुरू किया गया था वह मार्च 2022 तक जारी रहेगा।

29. मेरी सरकार 'मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान' के रूप में एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी निभा रही है। इस कार्य में आंगनबाड़ी सेवाएं, मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना, वजन तिहार, नवा जतन, महतारी जतन योजना आदि सहयोग भी मिल रहा है। इस अभियान का सुपरिणाम है कि एनएफएचएस 5 के ताजा आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में कुपोषण की दर राष्ट्रीय औसत से भी कम होकर 31.3 प्रतिशत हो गयी है। (मेजों की थपथपाहट)

30. मेरी सरकार ने स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास हेतु 3 नये मेडिकल कॉलेजों की स्थापना तथा एक 1 मेडिकल कॉलेज का अधिग्रहण किया है। इसी प्रकार नये 50 उपस्वास्थ्य केंद्र, 30 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 2 जिला अस्पताल, 2 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने की स्वीकृति दी। साथ ही विभिन्न संस्थाओं का उन्नयन भी किया गया है।

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

31. कोरोना महमारी से निपटना पूरी दुनिया के लिए एक नया अनुभव था। मेरी सरकार ने बहुत तत्परता और दूरदर्शिता के साथ इस चुनौती का सामना किया और बड़े पैमाने पर कोरोना की जांच तथा उपचार की अधोसंरचना बनाई। ये सुविधाएं दर्शाती हैं कि मेरी सरकार किसी भी आपात स्थिति से निपटने में सक्षम है।

32. स्वास्थय सेवाओं को बसाहटों, गांवों तथा शहरी स्लम बस्तियों तक पहुंचाने तथा महंगे उपचार से जनता को राहत दिलाने के लिए मेरी सरकार ने 'मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना', 'मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना', 'दाई-दीदी क्लिनीक', 'श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स', 'डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना', हमर अस्पताल, दीर्घायु वार्ड आदि योजनाएं तथा 'मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान' संचालित किया। राज्य में मलेरिया परजीवी सूचकांक वर्ष 2018 में 2.63 प्रतिशत था, जो अब 2 तिहाई घटकर 0.92 प्रतिशत रह गया है। निश्चित तौर पर यह सफलता की एक बड़ी मिसाल है।

33. मेरी सरकार ने प्रदेश में न्याय व्यवस्था की मजबूती के लिए 37 व्यवहार न्यायधीशों की नियुक्ति की है । अपराध पीड़ित बच्चों के प्रकरणों के लिए (पॉक्सो) फास्ट ट्रेक कोर्ट तथा अधिवक्ताओं के लिए राज्य अधिवक्ता संस्थान् की स्थापना कर रही है ।

34. मेरी सरकार ने महिला-स्वावलंबन के लिए नए-नए उपाय किए हैं । अपनी जमीन-अपना घर महिलाओं को शक्ति देते हैं । मेरी सरकार ने छोटे भू-खण्डों की खरीदी-बिक्री पर रोक हटाई, पंजीयन की प्रक्रिया को सरल किया । बाजार मूल्य दरों को 40 प्रतिशत तक कम किया । आवासीय भवनों के पंजीयन शुल्क में रियायत दी और महिलाओं के पक्ष में पंजीयन कराने पर स्टाम्प शुल्क में 1 प्रतिशत की छूट दी। इसका लाभ लाखों परिवारों को मिला है और निश्चित तौर पर महिलाओं को बड़ी राहत मिली है ।

35. मेरी सरकार ने श्रमिक परिवारों की बेटियों के पालन-पोषण तथा विवाह में सहायता के लिए 'मुख्यमंत्री नोनी सशक्तीकरण सहायता योजना' की नई पहल की है, जिसमें 'छत्तीसगढ़ भवन एवं अनय सन्निर्माण एवं अन्य कर्मकार कल्याण मण्डल' में पंजीकृत हितग्राहियों की प्रथम दो पुत्रियों के बैंक खाते में 20-20 हजार रूपये की राशि का भुगतान एक मुश्त किया जाएगा । (मेजों की थपथपाहट) इसी प्रकार राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री हेल्प लाईन सेन्टर, जिला तथा विकासखण्ड मुख्यालय स्तर पर 'मुख्यमंत्री श्रमिक संसाधन केन्द्र', प्रत्येक जिले में महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ की स्थापना, डायरेक्ट भवन अनुज्ञा प्रणाली तथा इसी की तर्ज पर नल कनवेक्शन, महिला स्व- सहायता समूहों को छत्तीसगढ़ महिला कोष से प्रदत्त बकाया ऋण माफी, ग्रामीण क्षेत्रों में भी शासकीय पट्टे की भूमि को फ्री-होल्ड करने जैसे फैसलों का लाभ निश्चित तौर पर महिलाओं को राहत पहुंचाने वाला है ।

36. राजस्व न्यायालय के कार्यों में पारदर्शिता तथा तेजी लाने के लिए 'ई-कोर्ट' प्रारंभ किए गए हैं, जिसमें नागरिकों को कहीं से भी ऑनलाईन आवेदन करने की सुविधा, पंजीयन से लेकर निराकरण की

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

कार्यवाही तथा अंतिम आदेश की ऑनलाईन जानकारी, पक्षकारों को पेशी तिथि की सूचना एसएमएस के माध्यम से तथा विचाराधीन प्रकरणों से संबंधित भूमियों की जानकारी ऑनलाईन उपलब्ध कराई गई है। भूमि के पंजीयन, नामांतरण, डायवर्सन, फ्री होल्ड, वार्षिक भू-भाटक के एकमुश्त भुगतान में राहत, शासकीय भूमि के आवंटन आदि प्रक्रियाओं को सरल किया गया है।

37. कोविड से मृत व्यक्तियों के आश्रितों को 102 करोड़ रूपये की राहत, बेमौसम बारिश तथा ओलावृष्टि प्रभावितों को 9 करोड़ रूपये की सहायता उपलब्ध कराई गई है, जो संकटग्रस्त लोगों को मदद करने की मेरी सरकार की दृढ़इच्छा-शक्ति का प्रतीक है ।

38. छत्तीसगढ़ में स्कूली शिक्षा की बुनियाद मजबूत करने के लिए मेरी सरकार ने 'स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ठ अंग्रेजी माध्यम से विद्यालय योजना' शुरू की थी, जिसके तहत 171 शालाओं में उच्च स्तरीय अधोसंरचना तथा सुविधाएं जुटाई गईं । अब ऐसी ही हिन्दी माध्यम शालाएं विकसित करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं । इस योजना से सरकारी शालाओं में पढ़ने वाले कमजोर तबकों के बच्चों का मनोबल बढ़ा है, उन्हें अपना भविष्य संवारने का अवसर मिला है । वहीं इन शालाओं में प्रवेश भी अब प्रतिष्ठा विषय बन गया है। नवा रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का उत्कृष्ट विद्यालय स्थापित किया जाएगा । वहीं कोरोना के कारण अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों के लिए 'महतारी दुलार योजना' शुरू की गई है, जिसके तहत प्रभावित बच्चों की फीस माफी के अलावा इन्हें छात्रवृत्ति भी दी जा रही है ।

39. उच्च शिक्षा का दायरा और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए मेरी सरकार ने विगत एक वर्ष में 26 नये सरकारी महाविद्यालय प्रारंभ किए हैं । बीपीएल परिवारों के युवाओं को डीबीटी के माध्यम से छात्रवृत्ति दी जा रही है । नि:शुल्क बालिका शिक्षा की व्यवस्था की है । राज्य के 25 जिलों में कन्या महाविद्यालय की स्थापना हो चुकी है, वहीं शासकीय कॉलेजों में बालिकाओं की संख्या डेढ़ गुनी हो गई है । सकल नामांकन अनुपात 3.5 से बढ़कर 18.6 प्रतिशत हो गया है । महाविद्यालयों में शैक्षिक तथा अन्य पदों पर भर्ती से शिक्षा और प्रबंधन में सुधार आया है ।

40. शिक्षा के साथ रोजगारपरक कौशल विकास पर जोर दिया गया है। प्रशिक्षण पूर्व काउंसिलिंग तथा प्रशिक्षण पश्चात नियोजन की सुविधाएं दी गई हैं। हायर सेकेण्डरी के साथ आई.टी.आई. का प्रमाण-पत्र देने की भी व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री पॉलीटेक्निक गुणवत्ता विकास योजना, मुख्यमंत्री प्रौद्योगिकी प्रोत्साहन एवं विकास योजना, शिक्षा ऋण के ब्याज में छूट की योजना, युवा क्षमता विकास योजना, मॉडल कैरियर सेन्टर योजना, राष्ट्रीय अर्हता कौशल, फ्रेम वर्क आदि उपायों से प्रदेश में युवाओं को अपना लक्ष्य साधना आसान हुआ है।

41. मेरी सरकार ने युवाओं के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया है। इसके लिए 13 हजार 269 'राजीव युवा मितान क्लब' की स्थापना की जा रही है। बिलासपुर में आवासीय, तीरंदाजी, हॉकी तथा एथेलेटिक अकादमी रायपुर में गैर आवासीय हॉकी, तीरंदाजी, बालिका फुटबाल, एथेलेटिक तथा धनुर्विद्या

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

अकादमी आदि संस्थाओं के माध्यम से प्रदेश में खेलकूद को भी व्यवसायिक स्तर पर अपनाने की प्रेरणा युवाओं को मिल रही है।

42. मेरी सरकार ने नई आबकारी नीति के तहत नशाबंदी के सम्बन्ध में अध्ययन करने हेतु 3 समितियों का गठन किया है, जो विभिन्न पहलुओं का अध्ययन कर रही है। विगत 2 वर्षों में 99 मदिरा दुकानों तथा रेस्टोरेंट बार को बंद किया गया है। प्रदेश में मदिरा के अवैध कारोबार की रोकथाम के लिए 2 नये आबकारी संभाग गठित किये गये हैं, वहीं 28 स्थानों पर आबकारी जांच चौकी संचालित की जा रही है।

43. 'राम वनगमन पर्यटन परिपथ' के विकास के संकल्प को मेरी सरकार बहुत गंभीरता से पूरा कर रही है। प्रदेश के 75 स्थानों को चिन्हांकित किया गया है, जिसमें से प्रथम चरण में 9 स्थानों पर अधोसरंचना विकास का काम किया जा रहा है। रायपुर के निकट ग्राम चन्द्रखुरी में माता कौशल्या के प्राचीन मन्दिर परिसर का जीर्णोद्धार करते हुए इसका लोकार्पण किया गया है। विभिन्न जिलों में पर्यटन विकास कार्यों के लिए भूमि आरक्षित कराई जा रही है। जिसमें निजी निवेशकों, स्थानीय प्रशासन तथा शासन की भागीदारी से समुचित विकास कार्य किये जायेंगे। चन्द्रखुरी, सरोधा दादर, सतरेंगा तथा बालाछापर सरना में जो विकास के कार्य किये गये हैं, उससे पर्यटकों की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी हुई है।

44. मेरी सरकार ने आम जनता को घरपहुंच सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में परिवहन विभाग को भी शामिल किया है। इसके माध्यम से हेल्पलाइन नम्बर पर जानकारी देने तथा विभिन्न दस्तावेज स्पीड पोस्ट के माध्यम से घर पहुंचाने की व्यवस्था की गई है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय राज्यपाल जी, घर पहुंच सेवा में सिर्फ शराब मिल रहा है और कुछ नहीं मिल रहा है। सिर्फ दारू घर पहुंच मिल रहा है।

श्री अमितेश शुक्ल :- आपने पुन्नी मेला में 15 साल तक शराब को बंद नहीं कराया। हमने बंद कराया, आप ध्यान रखिये।

श्री ननकीराम कंवर :- आपने शराबबंदी का वादा किया था, शराबबंदी का वादा कहां गया ?

श्री अमितेश शुक्ल :- आपके 15 साल की भावना दिखती है। हमने 15 दिन तक शराब बंद कराया, उससे हमारे सरकार की भावना दिखती है।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय राज्यपाल जी, आपके अभिभाषण की गंभीरता यह है कि न तो पूरे मंत्री उपस्थित हैं ना तो पूरे अधिकारी उपस्थित हैं।

श्री अरूण वोरा :- माननीय राज्यपाल जी, बृजमोहन जी की स्मरण शक्ति कम होते जा रही है।

माननीय राज्यपाल महोदया :- नवा रायपुर में वाहन चालन प्रशिक्षण तथा अनुसंधान संस्थान की स्थापना कर दी गई है, वहीं लर्निंग लायसेंस बनाने के लिए लगभग 1 हजार परिवहन सुविधा केन्द्र पूरे राज्य में खोले जायेंगे।

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

45. समाज कल्याण के क्षेत्र में मेरी सरकार ने नये कदम उठाये हैं। थर्ड जेण्डर लोगों को शासकीय सेवा में चयन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। थर्ड जेण्डर लोगों को राज्य पुलिस बल में नियुक्ति दी गई है। वहीं अब इनके लिए आश्रय-सह पुनर्वास केन्द्र स्थापित किया जा रहा है, ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य छत्तीसगढ़ है।

46. छत्तीसगढ़ नि:शक्तजन वित्त एवं विकास निगम द्वारा दिव्यांगजनों को प्रदत्त ऋण की नियमित वापसी करने वालों को शेष राशि में सब्सिडी प्रदान करने हेतु नई योजना भी प्रारंभ की गई है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'प्रशासक देख-रेख गृह' की स्थापना दुर्ग, कबीरधाम तथा बालोद जिलों में की गई है।

47. मेरी सरकार के विशेष प्रयासों से जगदलपुर तथा बिलासपुर हवाई सेवा से जुड़ गए हैं । मां दन्तेश्वरी एअरपोर्ट, जगदलपुर से हैदराबाद-जगदलपुर-रायपुर सेक्टर में तथा बिलासादेवी केंवट एअरपोर्ट, बिलासपुर (चकरभाठा) से दिल्ली-जबलपुर- बिलासपुर-प्रयागराज सेक्टर में अब नियमित विमान सेवा का संचालन हो रहा है, जिससे इस क्षेत्र में विकास के नये द्वार खुले हैं ।

48. राज्य शासन द्वारा मां महामाया एअरपोर्ट, अंबिकापुर दरिमा के रनवे के विकास के लिए 43 करोड़ 98 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है । शीघ्र ही एयरपोर्ट का लायसेंस प्राप्त कर यहां से भी घरेलू विमान सेवा प्रारंभ करने की योजना है।

49. प्रदेश में विमानन अधोसंरचना विकास के क्रम में राज्य शासन द्वारा कोरिया जिला में एक नवीन हवाई पट्टी विकसित करने तथा कोरबा जिला में एक व्यावसायिक एअरपोर्ट के विकास की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है । माना एयरपोर्ट में अन्तरराष्ट्रीय विमान सेवाएं तथा अन्तरराष्ट्रीय कार्गो सुविधा उपलब्ध कराने के लिए गंभीरता से प्रयास किये जा रहे हैं। इस नेक काम में सभी को अपना सहयोग प्रदान करना चाहिये ।

50. मेरी सरकार ने पुलिस बल को विश्वास-विकास-सुरक्षा का मंत्र दिया है । जिसके कारण छत्तीसगढ़ का पुलिस बल जनता को सुरक्षा देने के अलावा स्थानीय स्तर पर जनता का मनोबल तथा अधोसंरचना विकास में भी योगदान दे रहा है । नई प्रौद्योगिकी तथा नई सोच से अपराधों की जांच और रोकथाम के लिए पुलिस बल की विभिन्न इकाइयों को राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया है, जिसमें फारेंसिक, डायल-112, पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय आदि के लिए किये गए कार्य प्रमुख है ।

51. महिलाओं की सुरक्षा के लिए अभिव्यक्ति एप, पुलिसकर्मियों का मानसिक तनाव दूर करने के लिए 'स्पंदन' कार्यक्रम, नक्सल प्रभावित अंचलों में 900 से अधिक परिवारों को मुकदमों से मुक्ति, ठगी की आरोपी चिटफण्ड कंपनियों के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही से न्याय का विस्तार हुआ है । चिटफण्ड कंपनियों में पैसा जमा करने वाले 17 हजार से अधिक निवेशकों को 11 करोड़ रूपए से अधिक राशि लौटाई जा चुकी है ।

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

52. विभिन्न प्रयासों से नक्सली हिंसा की घटनाओं में प्रभावी रोक लगी है । वहीं 46 नक्सलवादियों को धराशायी करने तथा 555 नक्सलवादियों को आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करने में बड़ी सफलता मिली है । इस तरह प्रदेश में शांति व्यवस्था का दायरा भी लगातार बढ़ रहा है । जिसके कारण हर क्षेत्र में विकास की गतिविधियों का भी विस्तार हो रहा है ।

53. मेरी सरकार ने हर हाथ को काम देने की दिशा में बहुत ही स्पष्ट सोच रखी है, जिसके तहत सरकारी विभागों, अर्द्धसरकारी संस्थाओं में स्थायी भर्ती तथा अन्य माध्यमों से नौकरी के दरवाजे खोले गए हैं । नई औद्योगिक नीति में भी पर्यावरण सम्मत रोजगार प्रधान संस्थाओं को प्राथमिकता दी गई है, जिसके कारण 1 हजार 950 औद्योगिक इकाइयों में लगभग 84 हजार करोड़ रूपए का निवेश हुआ तथा लगभग 36 हजार लोगों को रोजगार मिला । इसके अलावा 166 एमओयू के माध्यम से लगभग 78 हजार करोड़ रूपये का पूंजी निवेश तथा 1 लाख 8 हजार लोगों को रोजगार दिया जाना प्रस्तावित है । रोजगार के नये अवसरों के सृजन हेतु 'छत्तीसगढ़ रोजगार मिशन' का गठन किया गया है । जिसके तहत आगामी 5 वर्षों में 15 लाख नये रोजगार के अवसर सृजित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है ।

54. राज्य में कारगर प्रशासन और आम जनता की सुविधा के लिए ऑनलाईन सेवाओं का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है । विभिन्न विभागों की 132 सेवायें ऑन लाईन की गई है, जिससे एक वर्ष में 25 लाख से अधिक लोगों ने घर बैठे शासकीय सेवाओं का लाभ लिया है । इस तरह लोक सेवा केन्द्र, सुशासन और जनसुविधा केन्द्र की भूमिका भी निभा रहे हैं । वहीं 'मुख्यमंत्री सीजी कैम्प पोर्टल' से जनहितकारी योजनाओं की मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है । यही वजह है कि मेरी सरकार को त्वरित क्रियान्वयन वाली सरकार के रूप में ख्याति मिली तथा अनेक राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया है

55. मेरी सरकार द्वारा राज्य की अस्मिता, स्थानीय संसाधनों के सदुपयोग, सबके स्वावलंबन, उन्नत स्वास्थ्य एवं शिक्षा के साथ समृद्ध और खुशहाल छत्तीसगढ़ बनाने की दिशा में उठाए गए कदमों से न सिर्फ तात्कालिक संकटों का समाधान हुआ है बल्कि राज्य की दीर्घकालीन विकास नीति की बुनियाद भी मजबूत हुई है। समावेशी विकास का 'छत्तीसगढ़ मॉडल' बहुमुखी सफलताओं का प्रतीक बन गया है। मेरी कामना है कि आप सब मिलकर छत्तीसगढ़वासियों की आकांक्षाओं और सपनों को पूरा करने के लिए पूर्ण समर्पण से कार्य करें और गरिमामय नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने में अपना बहुमूल्य योगदान दें।

जय हिन्द,

जय छत्तीसगढ़। (मेजों की थपथपाहट)

(राष्ट्रगान " जन गण मन " की धुन बजाई गई)

(माननीय राज्यपाल महोदया ने चल समारोह के साथ सभा भवन से प्रस्थान किया)

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

समय :
12:02 बजे **(अध्यक्ष महोदय (डॉ. चरणदास महंत) पीठासीन हुए)**

<u>माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण की प्रति पटल पर रखा जाना।</u>

अध्यक्ष महोदय :- माननीय राज्यपाल महोदया द्वारा सभा में जो अभिभाषण दिया गया है, प्रमुख सचिव, विधानसभा उसकी प्रति सभा पटल पर रखेंगे।

प्रमुख सचिव, विधानसभा (श्री चन्द्र शेखर गंगराड़े) :- मैं, माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेश के अनुसरण में माननीय राज्यपाल महोदया द्वारा सभा में दिये गये अभिभाषण की प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

समय :
12:03 बजे **<u>राज्यपाल के अभिभाषण पर कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव</u>**

<u>"माननीय राज्यपाल महोदया ने जो अभिभाषण दिया, उसके लिये छत्तीसगढ़ विधानसभा के इस सत्र में समवेत् सदस्यगण अत्यंत कृतज्ञ हैं।"</u>

श्री संतराम नेताम (केशकाल) :- अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं कि - माननीय राज्यपाल महोदया ने जो अभिभाषण दिया, उसके लिये छत्तीसगढ़ विधानसभा के इस सत्र में समवेत् सदस्यगण अत्यंत कृतज्ञ हैं।

श्री अरूण वोरा (दुर्ग शहर) :- अध्यक्ष महोदय, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

श्री बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर नगर दक्षिण) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। छत्तीसगढ़ की विधानसभा और इस देश की लोकसभा में राज्यपाल जी के अभिभाषण के बाद कोई भी काम नहीं होता है। सामान्यत: यह परंपरा रही है कि जो श्रद्धांजलि है, वह हमारा पहला काम होता है और श्रद्धांजलि सभा के बाद हम मौन धारण करने के बाद कुछ देर की छुट्टी करते हैं। परंतु आज यह दुर्भाग्यजनक है।

अध्यक्ष महोदय :- यह तो हमेशा होता है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय अध्यक्ष जी, आप मेरी बात सुन लीजिए। राज्यपाल जी के अभिभाषण के बाद श्रद्धांजलि का कार्यक्रम और साथ में तृतीय अनुपूरक बजट का प्रस्तुतीकरण भी है।

नगरीय प्रशासन मंत्री (डॉ. शिवकुमार डहरिया) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, 2010 में इसी सदन में हुआ है। कोई नई परंपरा नहीं है।

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, तृतीय अनुपूरक बजट का प्रस्तुतीकरण है, मुझे लगता है कि यह माननीय राज्यपाल महोदया जी का अपमान है। इस प्रकार की प्रक्रिया, हमारे छत्तीसगढ़ की विधानसभा बहुत उच्च परंपराओं को स्थापित करती रही है और आज कोई ऐसी विशेष परिस्थिति नहीं है। आज हमारे पास में पर्याप्त समय है। कोरोनाकाल समाप्त हो गया है। आप सदन का कार्यदिवस बढ़ा सकते हैं। यह अधिकार आपको है। इसके लिए राज्यपाल जी की अनुमति की आवश्यकता भी नहीं है और सत्र के कार्यदिवस को बढ़ाकर आप बाकी कामों को आगे दिनों में कर सकते हैं। इस बात का आपसे आग्रह है। कम से कम कौन सी विशेष परिस्थिति आ गई, जिसके कारण श्रद्धांजलि का कार्यक्रम, शासकीय कार्यक्रम हमें यहां पर रखना पड़ रहा है।

अध्यक्ष महोदय :- धन्यवाद।

नगरीय प्रशासन मंत्री (श्री शिव कुमार डहरिया) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह जबर्दस्ती भाषण दे रहे हैं।

खाद्य मंत्री (श्री अमरजीत भगत) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मृतकों के प्रति सम्मान, अपने सदस्य और साथियों के प्रति, जो इस दुनिया में नहीं है, उनके प्रति किसी प्रकार का सम्मान नहीं है।

श्री अजय चंद्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने व्यवस्था के प्रश्न को स्वीकार किया है।

अध्यक्ष महोदय :- प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ।

माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के लिये मैं, मंगलवार, दिनांक 08 मार्च, 2022 की तिथि निर्धारित करता हूं, जो माननीय सदस्य कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव में संशोधन देना चाहते हैं, वे मार्च, दिनांक 08, 2022 को प्रात: 11.00 बजे तक विधान सभा सचिवालय में दे सकते हैं।

कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव में संशोधन देने के प्रपत्र सूचना कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

श्री अजय चंद्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने व्यवस्था के प्रश्न को स्वीकार किया, जिसके कारण बृजमोहन जी ने बात-चीत की। ऐसी क्या अपरिहार्य स्थिति आ गई कि हम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के बाद उसी दिन शोक संदेश करें।

श्री शिव कुमार डहरिया :- विषय विशेषज्ञ महोदय बता चुके हैं। आप बार-बार उसी की बात क्यों कर रहे हो।

अध्यक्ष महोदय :- आपके यहां भी और छत्तीसगढ़ में भी कई बार ऐसे अवसर आये हैं कि राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के पश्चात निधन का उल्लेख भी हुआ है, अनुपूरक अनुमान उपस्थापन भी हुआ है। अब मुझे जहां तक ज्ञात है कि 11 जनवरी 2010 में हुआ है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- लेकिन अभी ऐसी कौन-सी विशेष परिस्थितियां हैं ?

अध्यक्ष महोदय :- कोरोना है।

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, अभी कोरोना नहीं है। परंपराएं तब तोड़ी जाती है, जब विशेष परिस्थिति हो। अभी कोई विशेष परिस्थिति नहीं है। आप सदन के कार्य-दिवसों को बढ़ा सकते हैं, आपके पास यह अधिकार है और ऐसे समय पर जबकि कोई विशेष परिस्थिति न हो, परंपराएं बनाना यह तो अच्छी बात है लेकिन परंपराओं को तोड़ना सदन की गरीमा को कम करता है। इसलिये हमारा आपसे आग्रह है कि आप इसको कल ले लें, इसमें कोई दिक्कत नहीं है। आप श्रद्धांजलि और अनुपूरक को कल की कार्यवाही में ले लें। क्योंकि यदि व्यवस्था का प्रश्न हमने उठाया है तो कौन-सी विशेष परिस्थितियां हैं, जिनके कारण परंपराओं को तोड़ा जा रहा है। आप परंपरा नहीं बनायेंगे तो हम स्वागत करेंगे परंतु परंपराओं को तोड़ना उचित नहीं है।

अध्यक्ष महोदय :- परंपराओं को तोड़ा नहीं जा रहा है, नयी परंपरा स्थापित की जा रही है।

बृजमोहन अग्रवाल :- कोई अच्छी बात हो तो स्थापित होता है, लेकिन खराब बात हो तो तोड़ा जाता है।

समय :
12:08 बजे

<u>निधन का उल्लेख</u>

(1) श्री रमेश वर्ल्यानी, अविभाजित मध्यप्रदेश विधान सभा के पूर्व सदस्य।
(2) श्री मदन सिंह डहरिया, अविभाजित मध्यप्रदेश विधान सभा तथा छत्तीसगढ़ विधान सभा के पूर्व सदस्य।
(3) भारत रत्न, स्वर कोकिला लता मंगेशकर।

अध्यक्ष महोदय :- मुझे सदन को सूचित करते हुये अत्यंत दु:ख हो रहा है कि अविभाजित मध्यप्रदेश विधान सभा के पूर्व सदस्य, श्री रमेश वर्ल्यानी का दिनांक 19 दिसंबर, 2021, अविभाजित मध्यप्रदेश विधान सभा तथा छत्तीसगढ़ विधान सभा के पूर्व सदस्य, श्री मदन सिंह डहरिया का दिनांक 20 दिसम्बर, 2021 तथा भारत रत्न, स्वर कोकिला लता मंगेशकर का दिनांक 06 फरवरी, 2022 को निधन हो गया है।

श्री रमेश वर्ल्यानी का जन्म 15 नवम्बर, 1947 को हुआ था। श्री वर्ल्यानी ने बी.काम., एलएलबी. की शिक्षा प्राप्त की थी। वे जनता पार्टी की टिकट पर रायपुर निर्वाचन क्षेत्र से सन् 1977 में अविभाजित मध्यप्रदेश विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए।

उनके निधन से प्रदेश ने एक अनुभवी राजनेता तथा समाजसेवी को खो दिया है।

श्री मदन सिंह डहरिया का जन्म 05 दिसम्बर, 1937 को जांजगीर जिले के ग्राम - अमरताल में हुआ था। भारतीय जनता पार्टी की टिकट पर वे प्रथम बार सन् 1990 में तथा दूसरी बार सन् 1998 में मस्तूरी विधान सभा क्षेत्र से अविभाजित मध्यप्रदेश विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए तथा वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के उपरांत छत्तीसगढ़ की प्रथम विधान सभा के सदस्य रहे।

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

उनके निधन से प्रदेश ने एक वरिष्ठ राजनेता तथा समाजसेवी को खो दिया है।

भारत रत्न, स्वर कोकिला लता मंगेशकर का जन्म 28 सिंतबर, 1929 को इंदौर में हुआ था। उन्होंने पांच वर्ष की आयु से ही संगीत की साधना प्रारंभ कर दी थी। हिन्दी, मराठी सहित अनेक भाषाओं के हजारों गीतों के साथ ही उन्होंने एक छत्तीसगढ़ी गीत भी गाया। फिल्म संगीत में पार्श्व गायन के लिये उन्हें स्वर साम्राज्ञी एवं स्वर कोकिला भी कहा जाता है। उन्हें भारत सरकार द्वारा "पद्म भूषण", "पद्म विभूषण" एवं देश के सर्वोच्च सम्मान "भारत रत्न" से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से संगीत जगत को अपूरणीय क्षति हुई है तथा देश ने एक विश्व विख्यात गायिका को खो दिया है।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री रमेश वर्ल्यानी जी हमारे समय के प्रमुख और प्रबुद्ध राजनेता, जिनका देहावसान 19 दिसम्बर, 2021 को हो गया। उन्होंने समाजवादी नेता के रूप में सार्वजनिक जीवन की शुरूआत की और वर्ष 1977 में पहली बार विधान सभा में निर्वाचित हुए। उसके बाद वह वर्ष 1980 में कांग्रेस में शामिल हुए और लगातार विभिन्न पदों पर रहते हुए, उन्होंने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। वह पेशे से कर सलाहकार थे और उनकी आर्थिक विषयों में गहरी रूचि रही है। हम लोग समय-समय पर सामाजिक, आर्थिक विषयों पर सलाह लेते थे और उनका मार्गदर्शन भी प्राप्त करते थे। वह समाज के प्रमुख संगठक होने के नाते सभी समाजों में लोकप्रिय थे। अपनी बौद्धिक बातचीत और सौम्य व्यवहार से उनकी उपस्थिति अत्यन्त गरिमामय हुआ करती थी। उनके जाने से एक अपूरणीय क्षति हुई है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री मदन सिंह डहरिया बिलासपुर संभाग के हमारे अनुसूचित जाति के बड़े कद्दावर नेता थे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत पंचायती राज से की और वह लगातार 7 बार सरपंच, जनपद सदस्य, मण्डी अध्यक्ष और दो बार विधायक के रूप में, न केवल बिलासपुर संभाग का प्रतिनिधित्व किया, बल्कि मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की विधानसभा में अपनी उपस्थिति दर्ज की। निश्चित रूप से उनके जाने से न केवल बिलासपुर संभाग को, अनुसूचित जाति को बल्कि छत्तीसगढ़ को एक अपूरणीय क्षति हुई है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, भारत रत्न, स्वर्गीय लता मंगेशकर का 6 फरवरी, 2022 को 92 वर्ष की उम्र में देहावसान हुआ। बाल्यकाल से ही संगीत के प्रति उनकी रूचि रही। उन्होंने प्रारंभिक जीवन अदाकारा के रूप में शुरूआत की, लेकिन बाद में वह संगीत, पार्श्व गायन के क्षेत्र में आयीं। उन्होंने लगभग 30 हजार गीतों का गायन किया। उन्होंने एक रिकॉर्ड बनाया। उन्हें अनेक बार अनेक पुरस्कारों से नवाजा गया। जिन्हें कण्ठ कोकिला, स्वर सम्राज्ञी, सरस्वती पुत्री के रूप में हम सब जानते हैं, उनके जाने से एक अपूरणीय क्षति हुई है। मैं इस अवसर पर तीनों महान विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

करता हूँ और परिवार को दु:ख सहने की क्षमता प्रदान करे, ऐसी ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, उसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद्।

नेता प्रतिपक्ष (श्री धरमलाल कौशिक) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री रमेश वर्ल्यानी जी आज हमारे बीच में नहीं हैं। यहां हम उनको श्रद्धांजलि देने के लिए उपस्थित हुए हैं। उनकी बाल्यकाल से ही जो प्रतिभा और समाज के प्रति जो सोच रही है। खासकर जो गरीब, मजदूर, रिक्शेवाले हैं इनको कैसे न्याय दिलाया जा सके, उन्होंने इसके लिए आन्दोलन, समर्थन और गठन इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। उन्होंने समाजवादी नेता के रूप में अपना राजनीतिक जीवन प्रारंभ किया और उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में आन्दोलन को गति दी। यहां से लेकर मुंगेली, यहां से लेकर जगदलपुर तक और उन्होंने अनान्य क्षेत्रों में काम किया है। उसके बाद में वह मीशाबंदी रहे, 19 महीने जेल में बंद भी रहे और उसके साथ में वर्ष 1977 में जनता पार्टी की टिकट से विधायक निर्वाचित होकर आये। प्रांरभिक जीवन में उनका मुख्य व्यवसाय अधिवक्ता का रहा है। लेकिन मैं यह कह सकता हूँ कि छत्तीसगढ़ के राज्य के निर्माण के बाद, इस विधानसभा में हम सब लोगों ने उनकी रूचि को देखा है। जब भी बजट प्रस्तुत हो तब अध्यक्षीय दीर्घा में वह बैठे हुए दिखाई देते थे। उनका आर्थिक चिन्तन मजबूत रहा है, वह उस पर अपनी टिप्पणी देते, अपनी बात रखते और बात रखने के साथ में उस दिशा में काम करते थे। वह पूर्व विधायकों की बहुत सारी समस्याओं को हल करने के लिए लगातार प्रयास करते थे, उनके हितों की रक्षा के लिए सभी से मिलने का कार्य करते थे। इस उम्र में भी उनकी गतिशीलता, सक्रियता रही है। आज मुझे कहते हुए, यह दु:ख हो रहा है कि अब जब हमारे बजट सत्र होंगे तो रमेश भैया हमारे अध्यक्षीय दीर्घा में दिखाई नहीं देंगे। अगर कोविडकाल को छोड़ दें तो लगातार वे यहां पर बैठे हुए दिखाई देते थे।

श्री मदन सिंह डहरिया जी, अमरताल, अकलतरा के रहने वाले मूलत: कृषक परिवार से संबंधित थे। उसके बाद गांव की राजनीति, पंचायत में सरपंच के रूप में उन्होंने राजनीतिक जीवन प्रारंभ किया। वे अकलतरा मंडी के अध्यक्ष थे और अकलतरा मंडी के अध्यक्ष के बाद में संयुक्त मध्यप्रदेश में विधायक के रूप में भारतीय जनता पार्टी से जीत करके आए और छत्तीसगढ़ में भी जब वर्ष 1998 में जीत करके आए थे तो यहां विधायक के रूप में छत्तीसगढ़ की विधानसभा में भी उनको काम करने का अवसर मिला। समाज के हित में और बाबा गुरू घासीदास जी के जो विचारधारा हैं, उनके अनुयायी के रूप में उन्होंने लगातार उस दिशा में काम करने का प्रयास किया और उनके द्वारा समाज के हित में अनेक कार्य किए गए। आज उनके चले जाने से निश्चित रूप से एक अपूरणीय क्षति हुई है। मैं उनको श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं।

लता मंगेश्कर जी के बारे में आपने और माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपनी बातें रखी। उनका संपूर्ण जीवन संगीत के क्षेत्र में समाज को समर्पण रहा है। बचपन में, मुख्य भूमिका में कलाकार के रूप में, अदाकारा के रूप में रही है लेकिन बाद में गायन के क्षेत्र में फिल्मों में मुझे लगता है कि गिनीज

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

ऑफ बुक में उनका जो रिकार्ड है, उन्होंने जितने गाना गाए, आज तक कोई ऐसे नहीं हैं कि उतने गाने गाए होंगे। एक विश्व रिकार्ड है। उसके साथ में न केवल हिंदी भाषा बल्कि हिंदी के साथ हमारी जो विभिन्न भाषाएं हैं, उन सब में उनको एक गीत गाने का अवसर प्राप्त हुआ है। हमारे यहां छत्तीसगढ़ के लिए वर्ष 2007 में पर्यटन विभाग के लिए निर्मित डॉक्यूमेंट्री महानदी के किनारे में थीम सॉग भी उनके द्वारा गाया गया है। उसके बाद एक छत्तीसगढ़ी पिक्चर भकला है, उस पिक्चर में जो गाना है, छूट जाही अंगना दुआरी गीत है, यह गाना शादी में विदाई का जो अवसर है, उस पर एक मार्मिक गीत उनके द्वारा गाया गया है। इस प्रकार से यदि हम उनके राजनीतिक जीवन को देखें तो 21 देशों में लगभग 53 शहरों में 2300 गीत गाये ही नहीं बल्कि उसमें उनकी काफी रूचि रही है और उनको अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उनको भारत रत्न की उपाधि भी मिली। जिस दिन उनका निधन हुआ, हम सब लोग टी.व्ही देख रहे थे, मुझे ऐसा लगा कि लता जी, हम सबकी अपनी हैं। इस प्रकार से उनको भावभीनी विदाई दिए हैं और ऐसा लगा कि संगीत ठहर सा गया है। ऐसा सब जीवन में अनुभव किए हैं। मैं ऐसे लता जी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वे नहीं हैं लेकिन उनके व्यक्तित्व, कृतित्व और उनके जो गाए हुए गाने हैं, उनके माध्यम से वे हमेशा अमर रहेंगी। आज इस अवसर पर मैं सभी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

श्री धर्मजीत सिंह (लोरमी) :- आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आज हम बहुत ही व्यथीत मन से श्री रमेश वर्ल्यानी जी को यहां पर श्रद्धांजलि देने के लिए खड़े हुए हैं। वर्ल्यानी जी, एक बहुत ही विद्वान नेता थे, उनको टैक्स, फायनेंस, बजट और उसके प्रभाव और दुष्प्रभाव दोनों के बारे में बहुत जानकारियां थी। वे बहुत ही शिष्ट, सभ्य और शरीफ नेता थे। मैंने उनको कई बार टी.व्ही. के चैनलों में कांग्रेस पार्टी की तरफ से बहस करते देखा है। वे कभी आपा नहीं खोए, उन्होंने कभी शब्दों की मर्यादा को खत्म नहीं होने दिया और वे जब भी मिले तो ऐसा लगता ही नहीं था कि वे इतने विद्वान नेता हैं। उनके निधन से हम सब व्यथीत हुए हैं। वे सिंधी समाज के भी बहुत प्रमुख थे और सभी समाज में लोकप्रिय थे और छत्तीसगढ़ के एक प्रमुख नेताओं में उनका नाम है। चूंकि सन् 1977 में वे एम.एल.ए. थे तो उन्होंने इतने लंबे समय का राजनीतिक जीवन तय किया और आज वे नहीं रहे इससे हम सभी बहुत व्यथित हैं । मैं उनके प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री मदन सिंह डहरिया जी के साथ हम लोगों को इस सदन में विधायक रहने का, मध्यप्रदेश में भी विधायक रहने का अवसर मिला था। वे बहुत ही मिलनसार थे । ग्रामीण परिवेश के थे, सतनामी समाज के थे और उनके दिल में अनुसूचित जाति के उत्थान के लिये बहुत ललक रहती थी । आप जब उनके गांव अमलताल जायेंगे तो देखेंगे, वे तो आपके जिले के हैं कि उन्होंने एक बहुत भव्य प्रवेश द्वार बनवाया था, उन्होंने बहुत इंटरेस्ट से बनवाया था और मैंने अभी तक इतना बड़ा प्रवेश द्वारा किसी गांव में नहीं देखा है । मैं उनसे जब भी मिलता था तो मैं उन्हें हमेशा

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

महोदय ही कहता था और वे भी जब मिलते थे तो मुझे महोदय कहकर बोलते थे । बहुत ही जॉली नेचर के आदमी थे, बहुत अच्छे थे, बहुत अच्छे इंसान थे । अच्छे राजनेता थे, उनके निधन से हमको बहुत क्षति हुई है ।

मानननीय अध्यक्ष महोदय, आज इस श्रद्धांजलि की विषय-सूची में आपने स्वर कोकिला लता मंगेश्कर जी का नाम रखकर एक बहुत ही अच्छा उदाहरण दिया है । पूरे देश के लिये आपने उदाहरण दिया है । लता मंगेश्कर जी का छत्तीसगढ़ से सीधा-सीधा कोई लेना-देना नहीं है लेकिन वे देश की इतनी बड़ी महान संगीत की पूजारी थीं कि उनके गले में सरस्वती विराजमान थी । उन्होंने इतने कीर्तिमान स्थापित किये हैं । मैं पेपर में पढ़ रहा था कि हमारे खैरागढ़ यूनिवर्सिटी के संगीत विश्वविद्यालय ने भी उनको सम्मान दिया है, उनको डी-लिट के सम्मान से सम्मानित किया गया तो आपने उनके नाम का जो उल्लेख किया है यह एक प्रकार से पूरे छत्तीसगढ़ का उनके प्रति एक सम्मान की भावना इस प्रस्ताव के माध्यम से प्रदर्शित हो रही है और हम ऐसी सैकड़ों सालों में पैदा होने वाली एकाध कोई विभूति जो होती है । आने वाले कई सौ साल अभी लता मंगेश्कर न कल पैदा होंगी और जो पैदा हुईं थीं, उसका जो कीर्तिमान है उसको कोई तोड़ भी नहीं पायेगा ऐसी महान आत्मा को जिनके अंतिम संस्कार के अवसर पर पूरा देश टीवी में बैठा हुआ था । देश के प्रधानमंत्री, उस प्रदेश के मुख्यमंत्री, हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री, हमारे प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सारे नेता, हर राजनीतिक दल के लोग उनके निधन से व्यथित होकर उनके प्रति अपनी-अपनी श्रद्धांजलि दी । हम इस सदन के माध्यम से पूरे छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से लता मंगेश्कर जी को भी श्रद्धांजलि देते हैं । मंगेश्कर परिवार तो पूरा संगीत के लिये ही प्रसिद्ध है । उनके सभी भाई, सभी बहनों का संगीत के क्षेत्र में उनका नाम है । आपने यह जो उनका नाम रखा है उसके लिये भी मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूं और इन सभी महान विभूतियों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं । धन्यवाद ।

श्री मोहन मरकाम (कोण्डागांव) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री रमेश वर्ल्यानी जी, श्री मदन सिंह डहरिया जी और भारत रत्न, स्वर कोकिला लता मंगेश्कर जी का निधन हुआ है । मैं उनको शत्-शत् नमन करता हूं और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारे वरिष्ठतम नेता, मृदुभाषी मिलनसार श्री रमेश वर्ल्यानी जी का जाना हमारी पार्टी के लिये भी अपूरणीय क्षति है । वे वित्तीय मामलों के अर्थात् टैक्स के मामलों के बहुत अच्छे जानकार थे । जब भी पार्टी में बात होती थी, चर्चा होती थी । हम उनसे वित्तीय मामलों में चर्चा करते थे और जब भी बजट पेश होता था तो उनसे हम जरूर सलाह लेते थे और जब भी टीवी चैनलों में वित्तीय मामलों के बारे में भेजना रहता था तो हम लोग रमेश वर्ल्यानी जी को भेजते थे और दमदारी के साथ अपने दल की बात, चैनलों में अपनी बात रखते थे और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्र

के साथ-साथ प्रवक्ता होने के नाते वे हमेशा कांग्रेस पार्टी से जुड़कर जो हमारी पार्टी की गतिविधियों में भी हमेशा सहयोग करते थे। कहीं न कहीं उनका जाना हमारी पार्टी के लिये भी बहुत अपूरणीय क्षति है ।

मानननीय अध्यक्ष महोदय, श्री मदन सिंह डहरिया जी जो कि मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ सभा के भी पूर्व सदस्य रहे हैं, उनका जाना भी हमारे छत्तीसगढ़ के लिये बहुत ही अपूरणीय क्षति है । माननीय अध्यक्ष महोदय, स्वर कोकिला भारत रत्न जिनका संगीत के क्षेत्र में एक युग का अंत हुआ है और देशभक्ति गीत ऐ मेरे वतन के लोगों, जरा आंख में भर लो पानी जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुरबानी, जिसे सुनकर देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की भी आंखें नम हो गयी थीं। उन्होंने ऐसे देशभक्ति गीत गाकर देश के करोड़ों भारतीयों के दिलों में जगह बनायी तो कहीं न कहीं उनका जाना संगीत के क्षेत्र में बहुत अपूरणीय क्षति है। लता मंगेश्कर जी ने कई भाषाओं में गाना गाया था और कहीं न कहीं उनका जाना हम सबके लिए और देशवासियों के लिए अपूरणीय क्षति है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं सभी महानुभावों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपनी बातों को विराम देता हूं।

अध्यक्ष महोदय :- धन्यवाद। श्री बृजमोहन अग्रवाल जी।

श्री बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर नगर दक्षिण) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री रमेश वर्ल्यानी जी हमसे उम्र में बड़े थे। वर्ष 1977 के चुनाव में मैंने उनके लिए काम किया है। ऐसे वरिष्ठ नेता रमेश वर्ल्यानी जी बहुत मृदुभाषी और सरल थे। उनसे कोई भी जानकारी प्राप्त करना हो तो वे हमेशा जानकारी देते थे। हम सोचते थे कि वे हमारे बीच और लंबे समय तक रहेंगे। हम यह भी सोचते थे कि उन्होंने 40 साल तक कांग्रेस की सेवा की है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनी है तो निश्चित रूप से उन्हें कोई सम्मानजनक पद मिलेगा, परंतु वे पूरे जीवन समाज की सेवा करते रहे, लोगों की सेवा करते रहे और शायद इतना वरिष्ठ नेता होने के बाद भी उनका सादगीपूर्ण व्यवहार है। वे सिंधी समाज से आते थे। वे राष्ट्रीय सिंधी अकादमी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रहे। ऐसे वरिष्ठ नेता सिर्फ रायपुर शहर के नहीं पूरे छत्तीसगढ़ के एक विद्वान व्यक्ति थे। वे सैल्स टैक्स, इनकम टैक्स के एडवोकेट रहे। उनका चले जाना हम सबके लिए बहुत बड़ी अपूरणीय क्षति है और मैं यह कहूंगा कि रायपुर शहर के लिए यह बहुत बड़ी क्षति है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री मदन सिंह डहरिया जी के साथ में हम वर्ष 1990 में साथ में विधायक रहे और वर्ष 1998 में भी हम साथ में विधायक रहे। अनुसूचित जाति से आने के बाद भी उनका जो व्यक्ति था, वह सर्वग्राही व्यक्तित्व था। सीधे-सादे, सरल, सबसे मिलना और अंतिम समय सालभर पहले तक सब लोगों के पास उनका आना-जाना, मिलना ये सामान्य बात थी। उनका चले जाना एक समाज के नेता के साथ-साथ में हम सबके एक साथी का चले जाना, जिन्होंने राजनीति में रहकर भी अपने स्वभाव को कभी नहीं बदला, उनका चला जाना हम सबके लिए बहुत दुख की बात है।

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

माननीय अध्यक्ष जी, पूरा देश, पूरा विश्व स्वर कोकिला लता मंगेशकर जी के संगीत को उनके गानों को सुनता है। मेरा यह सौभाग्य रहा कि वर्ष 2007 में उनसे छत्तीसगढ़ के पर्यटन संस्कृति के लिए हमने एक गीत गाने का आग्रह किया और उस गीत को उन्होंने गाया था और मैं स्वयं इसके लिए उनसे मिलने गया था। इतनी बड़ी स्वर साम्राज्ञी होने के बाद भी उनकी सरलता काबिलेतारीफ है। ऐसा व्यक्तित्व सैकड़ों सालों में कभी-कभी हमारे बीच में आता है और यह हमारी विधान सभा के लिए गौरव की बात है कि आज एक ऐसी स्वर साम्राज्ञी को विश्व की एक ऐसी हस्ती को हम श्रद्धांजलि दे रहे हैं, जो सबके लिए प्रेरणा का स्रोत हो सकती हैं कि इतनी उम्र में इतने बड़े व्यक्तिव के होने के बाद भी जितना सरल उनका स्वभाव था, वह सबके सीखने के काबिल है। मैं तीनों महानुभावों के प्रति अपनी श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं।

अध्यक्ष महोदय :- श्री अजय चन्द्राकर जी।

श्री अजय चन्द्राकर (कुरूद) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी रमेश वर्ल्यानी जी से बहुत मुलाकात होती थी। वे एक प्रकरण में मेरे विरूद्ध वकील भी थे। मैं उनसे कहता था कि आप इनकम टैक्स, सेल्स टैक्स वाले हो, आप कहां इन आपराधिक मामलों में पड़ गये हो, आप अपने candidate को हराओगे। जब मिलते थे तब यही बोलता था कि पूरे कांग्रेस में आप ही सबसे उपेक्षित हैं और संघर्ष के दिनों में आप ही सबसे सक्रिय थे। उनसे खूब बातें होती थीं। समाजवादी विचारधारा से राजनीति शुरू करने के कारण समाज के हर स्तर के बारे में सोचना और उसके बारे में बातचीत करना, उसके बारे में जानकारी प्राप्त करना, चिट्ठी लिखना, ये उनकी स्वभावगत विशेषताएं थीं । किसी की स्वभावगत् विशेषताओं में जनता की समस्या का शामिल होना बहुत बड़ा विषय है, जो उनमें था । मदन सिंह डहरिया जी हमारे साथ विधायक थे, थोड़े दिन के लिए उन्होंने दल बदल लिया, मैंने एक दिन देखा कि वे एक दिन बाल काला कराए हुए थे, मैं उनसे इसी बात को लेकर मजाक किया करता था और कहता था कि अब आपकी उम्र कम लग रही है । वे बहुत सरल व्यक्ति थे, गांव से एक सामान्य आदमी आकर नेतृत्व कर सकता है और उस परिवेश में भी देश और प्रदेश के बारे में विचार कर सकता है, यह उन्होंने अपने सात्विक जीवन में साबित किया ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं लगभग एक-डेढ़ साल के लिए उच्च शिक्षा मंत्री था । उस समय खैरागढ़ के विश्वविद्यालय में लम्बे समय से दीक्षान्त समारोह नहीं हुआ था । मेरी बात आदरणीया लता जी से फोन पर करवाई गई, मेरी प्रत्यक्ष बातचीत नहीं हुई । हम उनकी जीवनी पढ़ें तो दिखता है कि पारिवारिक संघर्ष के कारण उनकी शिक्षा जितनी होनी चाहिए थी, उतनी नहीं हुई । यह अलग बात है कि वाक् देवी का उनके ऊपर इतना आशीर्वाद रहा कि उन्होंने 8-9 भाषाओं में हर तरह के गीत गए । मैंने उनसे दीक्षान्त समारोह में आने की बात कही तो किसी कारण से वे नहीं आ पाईं । दीक्षान्त समारोह के लिए मेरी दूसरी पसंद थी अर्जुन सिंह जी । क्योंकि भारत भवन देखने के बाद और उनकी शैली देखने के

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

बाद, वैसे भी राजनीति से ऊपर उठकर मैं व्यक्तिगत् तौर पर अर्जुन सिंह जी का प्रशंसक हूं । उस विश्वविद्यालय में अर्जुन सिंह जी आए, जिसने लता जी को उपाधि दी थी । मैं सोचता हूं कि यदि उनको छत्तीसगढ़ के बारे में ठीक से बताया गया होता कि छत्तीसगढ़ में पहला संगीत विश्वविद्यालय खुला, उसके अतिरिक्त जो रायगढ़ का घराना बन सकता था उस किताब के प्रकाशन के बाद, तो मैं सोचता हूं कि और एक एक्सपोज़र आता । कहा जाता है कि किसी भी व्यक्ति की जिव्हा में कभी-कभी सरस्वती विराजमान होती है। वे एक ऐसी शख़्स थीं जिनकी जिव्हा में हमेशा सरस्वती विरोजमान रहती थीं । ऐसी शख्सियत न पैदा हो सकती न होगी । भारतीय सनातन परम्पराओं को अपने गायन से समृद्ध किया । गानों के अतिरिक्त भारतीय सनातन परम्पराओं को, उन्होंने जिस तरह से हनुमान चालिसा गाया है, जिस तरह से बजरंग बाण गाया है, आप सुनेंगे तो किसी दूसरे के स्वर में सुनने का मन ही नहीं करेगा । ऐसी महान् विभूति को जिन्होंने भारत का नाम, भारत की मौसीक़ी का नाम पूरे विश्व में रौशन किया । मैं हृदय से अपने दल, माननीय नेता प्रतिपक्ष जी और माननीय मुख्यमंत्री जी ने श्रद्धांजलि जी, मैं भी उनके स्वर में अपना स्वर मिलाते हुए श्रद्धांजलि देता हूं ।

श्री सौरभ सिंह (अकलतरा) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आदरणीय रमेश वर्ल्यानी जी, आदरणीय मदन सिंह डहरिया जी एवं स्वर कोकिला लता मंगेशकर जी को अपनी श्रद्धाजलि देते हुए कहना चाहूंगा कि मदन डहरिया जी का जन्म मेरे विधान सभा क्षेत्र के अमरताल गांव में हुआ । उस परिस्थिति में वे अमरताल से 4-5 किलोमीटर चलकर अकलतरा आते थे । पढ़ाई उत्तीर्ण करने के बाद वे गांव के सरपंच, जनपद के सदस्य, अकलतरा मंडी अध्यक्ष, मस्तूरी सीट से दो बार विधायक रहे । उन्होंने समाज के उत्थान के लिए काम किया और समाज के उत्थान के लिए उनके मन में जो जुनून था वह लगातार अंतिम समय तक था । आदरणीय धर्मजीत सिंह जी ने जो गेट की बात की, कभी आप अमरताल गांव के अंदर जाएं तो वहां पर उन्होंने बहुत बड़ा मेला स्थल विकसित किया । वहां परम् पूज्य घासीदास जी का मेला होता है । 23-24 तारीख को होने वाला मेला, पहला ऐसा मेला होगा जिसमें पचासों साल बाद ऐसा होगा कि आदरणीय मदन सिंह डहरिया जी नहीं रहेंगे । उनकी कमी हम लोगों को खलेगी । वे अंतिम समय में अस्वस्थ हो गए थे परंतु अकलतरा विधान सभा क्षेत्र में विकास की जो बात थी, उसमें उनकी रूचि रहती थी । वे मुझे फोन करके बोलते कि यह काम कर दे, वह काम कर दे, तैं हर घर नइ आवस। मेरे पिता जी के वह सहपाठी थे, वे साथ में पढ़े थे। विडंबना ऐसी है कि उन्होंने राजनीति मेरे घर से ही चालू की थी और उनकी राजनीति मेरे घर के विरोध करने में ही वे बाद में विरोधी हो गये और विरोध करके उनकी राजीनति आगे बढ़ी। वह प्यार, सद्भाव और अपनापन कभी कम नहीं हुआ। वे अंत समय तक मुझे बुलाते थे, फोन करते थे, तैं हर आ जा और काम कर ले। तो अकलतरा विधानसभा के ऐसे महान् सपूत को मैं अकलतरा विधानसभा की तरफ से बहुत-बहुत श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

श्री पुन्नूलाल मोहले (मुंगेली) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री रमेश वर्ल्यानी जी एक समाज सेवक थे, अच्छे वक्ता थे और उन्होंने पूरे समाज के लिए कार्य किया। बजट के संबंध में जो भी पूछा जाता था, उसका अच्छा जवाब देते थे। ऐसे नेता को मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

माननीय मदन सिंह डहरिया जी से हमारा पारिवारिक संबंध था। वे दो बार विधायक रहे। वे जनपद सदस्य, सरपंच और मण्डली के अध्यक्ष भी रहे। वे समाज सेवक थे। जैसा कि हमारे विधायक जी ने कहा कि वे किस तरह उत्साही, साहसी थे और वीरता का परिचय दिये और यहां तक कहूं कि निडरता का परिचय दिये। वे सतनामी समाज के आंदोलन में इतना हिस्सेदारी दिये, जिससे समाज में उनका आगे बढ़ना शुरू हुआ और समाज के बीच में उनको मान्यता मिली। उन्होंने समाज को एक नई दिशा की ओर ले गये। बाबा गुरूघासी दास जी की मेला अमरताल में अनेक वर्षों से लग रहे, जिसकी भूमिका वे निभाते रहे। वे बाबा गुरू घासीदास जी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाते रहे। गेट भी बनवाए, समाज में एक नए आंदोलन खड़ा कर समाज को एक नई दिशा दिये। अनुसूचित वर्ग सतनामी समाज को आगे बढ़ाने में उनका योगदान रहा। ऐसे नेता को मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

माननीय अध्यक्ष महोदय, स्वर कोकिला लता मंगेशकर जी, पूरा देश उनका नाम लेते हैं और लता जी हमारे बीच से चली गई तो सबके आंखों में आंसू छा गये। ऐसे स्वर कोकिला एवं सभी दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि देते हुए मैं अपनी बात को समाप्त करता हूँ।

डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी (मस्तुरी) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आज हम तीन दिवंगत लोगों को श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के लिए हैं। श्री रमेश वर्ल्यानी जी जो बहुत ही सरल, सहज व्यक्ति थे। कई बार हमने उनके साथ टी.व्ही. डीबेट में बात किया। लेकिन उनकी बात करने का तरीका व प्रस्तुति इतने अच्छे ढंग से रखते थे कि हमको भी सोचना पड़ जाता था कि वे अपनी प्रस्तुती इतनी अच्छी कैसे रखते हैं। कभी-कभी तो इन विषयों पर भी चर्चा आ जाता था कि हम गली में विधानसभा के अंदर रहते थे तो उनसे कहीं चर्चा आ जाती थी तो वह चर्चा भी रहता था। मुझे उनका एक स्वभाव यह भी देखने को मिला कि जो पूर्व सदस्य के हितों में वे सदैव कुछ-न-कुछ ऐसी बातें करने के लिए, जहां कहीं जरूरत पड़ता था तो पूर्व सदस्य के हितों में भी वे काम करने के लिए रहते थे। परिणाम यह है कि ऐसे व्यक्ति जो सबके लिए सोचते हैं, सब समाजों के लिए सोचते हैं, उनके न रहने से वास्तव में हम सब लोगों को दु:ख लगा।

माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री मदन सिंह डहरिया जी, वे मेरे ही विधानसभा से लंबे समय से दो बार विधायक रहे हैं और उनके साथ भी मुझे काम करने का अवसर मिला। शुरूआत में जब मैं राजनीति में आया तो मैंने राजनीतिक तौर पर इन्हीं के साथ में काम किया। लेकिन उनका काम करने का तरीका इस तरीके से रहे कि एक तो वे उस विधान सभा का रहने वाला व्यक्ति नहीं थे, अमरताल विधान सभा का रहने वाला व्यक्ति थे। लेकिन उन्होंने अपने कार्यप्रणाली व अपने लोगों के संपर्कों से अपने लोगों के

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

बीच में उनके दिल में एक स्थान बना लिया। उन्होंने न केवल सतनामी समाज के लिए ही काम किया बल्कि सभी समाजों के लिए बेहतर ढंग से काम किया। उनके नहीं रहने से भी समाज के लोगों को बहुत फर्क पड़ा। 2003 व 2008 में हम सदैव आमने-सामने ही चुनाव लड़ते थे लेकिन वे चुनाव के दौरान भी देश भावना के साथ, इतनी मिलनसारता के साथ रहे, जब वे 2003 में हारा भी तो मैं मंत्री बना तो वे मुझे भी बधाई देने के लिए आये। मैंने उनको हृदय से धन्यवाद दिया कि आपका जो यह इतना अच्छा स्वभाव है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इसी तरह स्वर कोकिला लता मंगेशकर जी को आज हमने खो दिया है। जो उनके स्वर हैं, वह आने वाले युगों तक हम सबको आनंद प्रदान करते रहेंगे। उनके विषय में कहे कि वे अमर ही हो गये हैं। वे उनके स्वर के रूप में हम सब लोगों के बीच में रहेंगे। ऐसे विभूतियों को मैं अपनी तरफ से भी श्रद्धा-सुमन अर्पित करता हूँ।

डॉ. विनय जायसवाल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं रमेश वर्ल्यानी जी और श्री मदन सिंह डहरिया जी, जो विधानसभा के सदस्य थे, उनको अपनी सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। माननीय, आपने जो भारत रत्न, स्वर कोकिला लता जी को यहां श्रद्धांजलि देने के लिए रखा है, इसके लिए मैं आपको बहुत धन्यवाद देता हूं। माननीय, उनके बारे में सभी लोगों ने काफी बोला। एक स्वर यंत्र होता है जिसको लेरिंग्स बोलते हैं। शोधकर्ताओं और चिकित्सकों में एक सामान्य चर्चा होती थी कि लता जी का किस टाइप का लेरिंग्स है, उसमें शोध होना चाहिए। लता जी ऐसे गले की मालिक थी। उनको बहुत सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हम लोग उनको लाइव लिजेण्डरी के रूप में याद करेंगे और हम जितने भी लोग हैं, इस सदी के जितने भी लोग हैं हम सभी लोग अपने आपको बहुत गौरवान्वित महसूस करते हैं कि लता जी जैसी शख्सियत जो थी, इस सदी में हम लोगों के बीच में थी। इसके लिए भी उनको बहुत श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। माननीय मोहन मरकाम जी ने बताया कि जवाहरलाल नेहरू जी, जो हमारे देश के प्रधानमंत्री थे। सन् 1963 में 26 जनवरी के दिन में उन्होंने जो 'ऐ मेरे वतन के लोगों' सांग गाया था, उसको मुंबई में जब सन् 1964 में ब्रेबोर्न स्टेडियम में नेहरू जी एक कार्यक्रम में गये थे तो दोबारा उस गाने को सुने थे। मैं उस गाने की चार पंक्तियां बोलकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहूंगा कि...

अध्यक्ष महोदय :- नहीं, प्लीज-प्लीज।

डॉ. विनय जायसवाल :- जी।

अध्यक्ष महोदय :- आपने श्रद्धांजलि अर्पित कर दी, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं सदन की ओर से शोकाकुल परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। दिवंगतों के सम्मान में अब सदन कुछ देर मौन धारण करेगा।

(सदन द्वारा खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया गया)

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

अध्यक्ष महोदय :- दिवंगतों के सम्मान में सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित ।

(12:43 से 12:50 बजे तक कार्यवाही स्थगित रही)

समय :
12:50 बजे

(अध्यक्ष महोदय (डॉ. चरणदास महंत) पीठासीन हुए)

श्री अजय चन्द्राकर (कुरूद) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आपसे एक छोटा सा निवेदन है । आज जो विषय कार्यसूची में है, वह खतम हो जाएंगे, जो सरकार की मंशा है । इस सदन में कई बार अनुपूरक कार्यसूची जारी हुई है तो हम लोग 5:30 बजे तक और बैठ जाएं, और काम करें । इसके लिए इस निजाम के महान संसदीय कार्यमंत्री अनुपूरक कार्यसूची जारी करवा दें । बाकी अन्य विषय हैं तो आज से ही काम शुरू करते हैं ।

अध्यक्ष महोदय :- मैंने आपकी बात सुन ली ।

श्री शिवरतन शर्मा (भाटापारा) :- माननीय अध्यक्ष जी, आप अनुपूरक सूची जारी करवा दीजिए।

अध्यक्ष महोदय :- हम कराएंगे न ।

श्री शिवरतन शर्मा :- माननीय संसदीय कार्यमंत्री जी अनुपूरक कार्यसूची जारी करवा दें ।

श्री अजय चन्द्राकर :- निजाम के संसदीय कार्यमंत्री जी बैठे हैं ।

समय :
12:51 बजे

<u>दिसम्बर, 2021 सत्र का समयपूर्व सत्रावसान के कारण बैठक हेतु पूर्व निर्धारित तिथियों की मुद्रित प्रश्नोत्तरी का पटल पर रखा जाना.</u>

अध्यक्ष महोदय :- दिसम्बर, 2021 सत्र का दिनांक 15 दिसम्बर, 2021 को सत्रावासन हो जाने के कारण बैठक हेतु पूर्व निर्धारित तिथि दिनांक 16 एवं 17 दिसम्बर, 2021 की मुद्रित प्रश्नोत्तरी प्रमुख सचिव, विधान सभा सदन के पटल पर रखेंगे ।

प्रमुख सचिव, विधान सभा (श्री चन्द्र शेखर गंगराड़े) :- मैं अध्यक्ष के स्थायी आदेश क्रमांक 13-क की अपेक्षानुसार दिसम्बर, 2021 सत्र का दिनांक 15 दिसम्बर, 2021 को सत्रावसान हो जाने के कारण बैठक हेतु पूर्व निर्धारित तिथि दिनांक 16 एवं 17 दिसम्बर, 2021 की मुद्रित प्रश्नोत्तरी सदन के पटल पर रखता हूं ।

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

समय :

12:51 बजे

दिसम्बर, 2021 सत्र के प्रश्नों के अपूर्ण उत्तरों के पूर्ण उत्तरों का संकलन सदन के पटल पर रखा जाना

अध्यक्ष महोदय :- दिसम्बर, 2021 सत्र के प्रश्नों के अपूर्ण उत्तरों के पूर्ण उत्तरों का संकलन प्रमुख सचिव, विधान सभा सदन के पटल पर रखेंगे ।

प्रमुख सचिव, विधान सभा (श्री चन्द्र शेखर गंगराड़े) :- मैं अध्यक्ष के स्थायी आदेश क्रमांक 13-ख की अपेक्षानुसार दिसम्बर, 2021 सत्र के प्रश्नों के अपूर्ण उत्तरों के पूर्ण उत्तरों का संकलन सदन के पटल पर रखता हूं ।

समय :

12:52 बजे **नियम 267 "क" के अधीन शून्यकाल सूचनाएं तथा उनके उत्तरों का संकलन**

अध्यक्ष महोदय :- नियम 267 "क" के अधीन दिसम्बर, 2021 सत्र में सदन में पढ़ी सूचनाओं तथा उनके उत्तरों का संकलन प्रमुख सचिव, विधान सभा सदन के पटल पर रखेंगे ।

प्रमुख सचिव, विधान सभा (श्री चन्द्र शेखर गंगराड़े) :- मैं नियम 267 "क" के अधीन दिसम्बर, 2021 सत्र में सदन में पढ़ी गई सूचनाओं तथा उनके उत्तरों का संकलन सदन के पटल पर रखता हूं ।

समय :

12:52 बजे **माननीय राज्यपाल महोदया की अनुमति प्राप्त विधेयक की सूचना (मार्च, 2022 सत्र)**

अध्यक्ष महोदय :- पंचम विधान सभा के दिसम्बर, 2021 सत्र में पारित कुल 5 विधेयकों में से 4 विधेयकों पर माननीय राज्यपाल की अनुमति प्राप्त हो गई है । अनुमति प्राप्त विधेयक का विवरण प्रमुख सचिव, विधान सभा सदन के पटल पर रखेंगे।

प्रमुख सचिव, विधान सभा (श्री चन्द्र शेखर गंगराड़े) :- पंचम विधान सभा के दिसम्बर, 2021 सत्र में पारित कुल 5 विधेयकों में से 4 विधेयकों पर माननीय राज्यपाल की अनुमति प्राप्त हो गई है, जिसका विवरण सदन के पटल पर रखता हूं।

अध्यक्ष महोदय :- अनुमति प्राप्त विधेयकों के नाम को दर्शाने वाला विवरण पत्रक भाग-दो के माध्यम से माननीय सदस्यों को पृथक से वितरित किया जा रहा है।

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

समय :

12:53 बजे **सभापति तालिका की घोषणा**

अध्यक्ष महोदय :- विधान सभा के नियमावली के नियम 9 के उप नियम (1) के अधीन मैं निम्नलिखित सदस्यों को सभापति तालिका के लिए नाम-निर्दिष्ट करता हूं :-

1. श्री सत्यनारायण शर्मा
2. श्री धनेन्द्र साहू
3. श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह
4. श्री शिवरतन शर्मा
5. श्री लखेश्वर बघेल

पृच्छा

श्री अजय चन्द्राकर (कुरूद) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, यह कार्यसूची का अंतिम क्रमांक है, इसके बाद काम खतम हो जाएगा । माननीय मुख्यमंत्री जी अनुपूरक अनुमान कभी भी सदन में रख सकते हैं, लेकिन हमने जो अनुरोध किया है, उसको आप स्वीकार कर लीजिए । हम इस विधान सभा की गरिमा के लिए ही बोल रहे हैं। पूरक अनुसूची निकलवा दीजिए । आज शुरूआत में हम लोग कम से कम 5:30 बजे तक बैठे ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर नगर दक्षिण) :- माननीय अध्यक्ष जी, सदन में यह जो सूचना पटल है, उसमें आपकी बड़ी फोटो दिखाई देने लगी है ।

अध्यक्ष महोदय :- आपकी भी फोटो दिख रही है ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- सरकार आपकी फोटो बाहर नहीं लगाती है । यह जो नया सूचना पलक आया है, यह अच्छी बात है कि आपने अपने अधिकारों का उपयोग करके इस सूचना पलक को नया बनवाया है और हम लोगों के आपके दर्शन, जब तक हम लोग विधान सभा में रहेंगे, हमेशा होते रहेंगे । सरकार तो आपकी फोटो बाहर नहीं लगवा रही है, आपके सम्मान की चिन्ता नहीं कर रही है, परन्तु विधान सभा ने चिन्ता की है । इसके लिए हम आपको बधाई देते हैं ।

नगरीय प्रशासन मंत्री (डॉ. शिवकुमार डहरिया) :- माननीय अध्यक्ष जी का पूरा सम्मान है ।

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

समय :

12:54 बजे **वित्तीय वर्ष 2021-2022 के तृतीय अनुपूरक अनुमान का उपस्थापन**

मुख्यमंत्री (श्री भूपेश बघेल) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदया के निर्देशानुसार वित्तीय वर्ष 2021-2022 के तृतीय अनुपूरक अनुमान का उपस्थापन करता हूं ।

अध्यक्ष महोदय :- मैं अनुपूरक अनुमान की मांगों पर चर्चा और मतदान के लिए मंगलवार, दिनांक 08 मार्च, 2022 की तिथि निर्धारित करता हूं ।

सदन को सूचना

अध्यक्ष महोदय :- विधान सभा सचिवालय में नवीन मंत्री कक्षों का शिलान्यास आज दिनांक 7 मार्च, 2022 को सभा की कार्यवाही स्थगित होने के तुरंत पश्चात् सचिवालय स्थित समिति कक्ष क्रमांक-दो के समीप होगा ।

शिलान्यास कार्यक्रम एवं उसके पश्चात् "हाई टी" में माननीय सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी व पत्रकार सादर आमंत्रित हैं ।

श्री बृजमोहन अग्रवाल (रायपुर शहर (दक्षिण) :- माननीय अध्यक्ष जी, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है। आपने राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर चर्चा के लिए कल का समय रखा है। जब कल राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर चर्चा होगी तब अनुपूरक मांगों पर चर्चा कैसे होगी ? आपने मंगलवार को चर्चा के लिए समय दिया है फिर यह तो संभव है ही नहीं। पूर्व में राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर दो दिनों तक चर्चा होती रही है, हमेशा होती रही है।

श्री शिवरतन शर्मा :- सामान्य रूप से हमेशा होती रही है।

श्री नारायण चंदेल :- परम्परा रही है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- अध्यक्ष महोदय, यदि आपके पास समय नहीं है तो हम बैठने को तैयार हैं। अजय चन्द्राकर जी ने जैसा कहा, आप अनुपूरक कार्यसूची जारी करिये। राज्यपाल जी का यह अपमान ठीक नहीं है। आपने राज्यपाल महोदया का अभिभाषण दिलवाया है, आप उस पर पूरे दिन भर चर्चा करवाईये। यह तो गलत परम्परा है, यह गलत परम्परा है, माननीय अध्यक्ष जी, यह बहुत गलत पम्परा है, यह बहुत गलत पम्परा है।

श्री अजय चन्द्राकर :- कुछ भी हो रहा है, विधानसभा मजाक बन गया।

नेता प्रतिपक्ष (श्री धरमलाल कौशिक) :- राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर दो दिनों तक चर्चा होती रही है।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- विधानसभा को मजाक मत बनाईये। ...(व्यवधान)

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं

श्री अजय चन्द्राकर :- ये निजाम के संसदीय कार्यमंत्री जो हैं...।

खाद्य मंत्री (श्री अमरजीत भगत):- महिला माननीय राज्यपाल महोदया जी का लगातार जिस प्रकार से उत्साह बढ़ा रहे थे, आप लोग नको भाषण नहीं देने दे रहे थे।

श्री धरमलाल कौशिक :- माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण में सामान्यतया 2-3 दिनों तक चर्चा होती रही है। अब आपने 1 दिन का समय दिया और एक ही दिन में अनुपूरक अनुमान मांग पर चर्चा करायेंगे तो हम लोग अनुपूरक अनुमान मांग पर चर्चा करेंगे या इस पर चर्चा करेंगे ? यह अनुचित है। इसलिए आप इस पर गुरूवार को चर्चा करायें। कल राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण पर पूरी चर्चा हो और अनुपूरक अनुमान मांग पर गुरूवार को चर्चा करायें। हमारे सदस्य उस पर बोलना चाहते हैं, पक्ष-प्रतिपक्ष के सब लोग बोलना चाहते हैं।

श्री अजय चन्द्राकर :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आज अनुपूरक कार्यसूची जारी करवा दीजिये। हम लोग 2 बजे के बाद बैठकर अनुपूरक पर चर्चा कर लेंगे।

श्री नारायण चंदेल :- माननीय अध्यक्ष महोदय, इतनी क्या हड़बड़ी है ?

श्री धर्मजीत सिंह (लोरमी) :- माननीय अध्यक्ष महोदय, आज उत्तरप्रदेश में आखिरी चरण का पोलिंग है। यह राजनीतिक प्रतिबद्धता या मजबूरी भी खत्म हो गई है। हमको बजट सत्र चलाना है, यह थोड़ा बड़ा होना चाहिए। मेरे ख्याल से यह सर्वाधिक छोटा बजट सत्र होगा।

श्री नारायण चंदेल :- सर्वाधिक छोटा है, रिकार्ड बन गया।

श्री धर्मजीत सिंह :- आज राज्यपाल महोदया का अभिभाषण हुआ है और उनके अभिभाषण पर कृतज्ञता ज्ञापन का प्रस्ताव भी पेश हो गया। उस पर एक दिन चर्चा करा लीजिये, माननीय मुख्यमंत्री जी की भी आवश्यकता है, उनके अनुदान मांग पर भी यहां चर्चा हो, हमें आपत्ति नहीं है। अध्यक्ष महोदय, हम बैठने को तैयार हैं। लेकिन सबसे पहले हमको समय दीजिये। आज अभी हम लोग डेढ़ बजे तक बैठे हैं। हम कब कृतज्ञता ज्ञापन पर संशोधन बनायेंगे, कब पेश करेंगे ? आपने कल 11 बजे तक का टाइम दिया है। कल हम 11.00 बजे विधानसभा आयेंगे, आप उसको 12 बजे कर दीजिये और कल उस पर चर्चा करा लीजिये, मुख्यमंत्री जी के अनुदान मांगों पर परसो चर्चा करा लीजिये। आप एक-एक दिन बढ़ा दीजिये।

अध्यक्ष महोदय :- चलिये, आपको पूरा समय दिया जायेगा।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- नहीं, नहीं, माननीय अध्यक्ष जी, आप हम विपक्ष की बात सुन लीजिये। आज पहला दिन है। छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार बजट सत्र 13 दिन का हो रहा है। आपने कहा कि कोरोना के कारण सत्र छोटा हुआ। अब कोरोना समाप्त हो गया, चुनाव भी समाप्त हो गया। हमने आपसे इस बात का आग्रह किया कि प्रश्नकाल नहीं होगा, आप सदन के समय में वृद्धि कर दें, हम सहमत हैं। इसके लिए कोई संवैधानिक रोक नहीं है। इसलिए आप सदन के समय में वृद्धि करके पर्याप्त

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

चर्चा करायें। कोरोना काल के कारण 2 साल वैसे भी चर्चा नहीं हो पाई है। यह सदन प्रदेश की सबसे बड़ी पंचायत है। अगर हम इस पंचायत में चर्चा नहीं करेंगे, यहां जनता की बातों को नहीं उठायेंगे, ध्यानाकर्षण पर चर्चा नहीं करेंगे, स्थगन पर चर्चा नहीं करेंगे, तो फिर इसका क्या महत्व होगा ? हम आपसे इस बात का आग्रह करेंगे।

अध्यक्ष महोदय :- ठीक है, मैं विचार तो कर रहा हूं, विचार करने दीजिये।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- विचार नहीं, आप अभी यहां पर घोषणा करिये, नहीं तो हमारा क्या औचित्य है। आप सदन में घोषणा कर दीजिये। (व्यवधान)

श्री धरमलाल कौशिक :- यह संभव नहीं है।

श्री धर्मजीत सिंह :- अध्यक्ष जी, सरकारी पक्ष से जो भी काम कराना है, वह निश्चिंत होकर करायें, हम उसमें भाग लेंगे।

अध्यक्ष महोदय :- कल हमारे पास पर्याप्त समय है। आपको पर्याप्त समय दिया जायेगा, ज्यादा देर तक बैठेंगे, आपके समय में कमी नहीं होगी।

नगरीय प्रशासन मंत्री (डॉ. शिवकुमार डहरिया) :- पर्याप्त चर्चा करेंगे।

श्री धरमलाल कौशिक :- कल बजट पर चर्चा नहीं होगी, यह आप आसंदी से कहें।

श्री बृजमोहन अग्रवाल :- कल अनुपूरक पर चर्चा नहीं होगी, कल अनुपूरक पर चर्चा ना हो। यदि कल अनुपूरक पर चर्चा होगी तो हम सदन से बहिर्गमन करते हैं। यदि आप कल चर्चा करवाते हैं तो परम्पराओं को तोड़ा जा रहा है। यह विधानसभा का अपमान है, सदस्यों का अपमान है। आप घोषणा करिये कि कल अनुपूरक पर चर्चा नहीं होगी, परसो होगा। हम बैठने के लिए तैयार हैं। हम सदन से बहिर्गमन करते हैं।

समय :
12:59 बजे

<u>बहिर्गमन</u>

<u>भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा शासन के विरोध में</u>

(श्री बृजमोहन अग्रवाल, सदस्य के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों द्वारा सदन से बहिर्गमन किया गया)

डॉ. शिवकुमार डहरिया :- आप लोग गांधी जी के पास मत जाना, गांधी जी आप लोगों से बहुत परेशान हैं।

अशोधित/प्रकाशन के लिए नहीं

समय :

1:00 बजे **छत्तीसगढ़ विधानसभा की डायरी वितरण की सूचना**

अध्यक्ष महोदय :- छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा वर्ष 2022 की डायरी का मुद्रण कराया गया है, जिसका वितरण माननीय सदस्यों को सूचना कार्यालय स्थित खानेदार आलमारी से किया जा रहा है।

कृपया सूचना कार्यालय स्थित खानेदार आलमारी से डायरी प्राप्त करें।

समय :

1:00 बजे **स्वास्थ्य मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मास्क वितरण की सूचना**

अध्यक्ष महोदय :- माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी की ओर से माननीय सदस्यों को सूचना कार्यालय स्थित खानेदार आलमारी से मास्क का वितरण किया जा रहा है।

कृपया सूचना कार्यालय स्थित खानेदार आलमारी से प्राप्त करें।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

माननीय सदस्य श्री प्रकाश शक्राजीत नायक

अध्यक्ष महोदय :- आज माननीय सदस्य श्री प्रकाश शक्राजीत नायक जी का जन्मदिन है। मैं अपनी ओर से एवं सदन की ओर से उन्हें बधाई देता हूं।

अध्यक्ष महोदय :- सदन की कार्यवाही मंगलवार दिनांक 8 मार्च, 2022 के दिन 11.00 बजे तक के लिए स्थगित।

(अपराह्न 1.00 बजे विधान सभा की कार्यवाही मंगलवार दिनांक 08 मार्च, 2022 (फाल्गुन 17, शक संवत 1943) के पूर्वाह्न 11.00 बजे दिन तक के लिए स्थगित की गई)

चन्द्र शेखर गंगराड़े

रायपुर (छत्तीसगढ़) **प्रमुख सचिव**

दिनांक 07 मार्च, 2022 **छत्तीसगढ़ विधान सभा**

अशोधित/प्रकाशन के लिये नहीं